हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

धनबाद, शनिवार
14 मार्च 2026
वर्ष : 03 अंक : 162
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड पुलिस को 1,485 आधुनिक वाहन सौंपे, अत्याधुनिक 12 नए थानों का किया ऑनलाइन शिलान्यास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा परिसर, रांची में आयोजित एक समारोह में झारखंड पुलिस को कुल 1,485 आधुनिक वाहनों का वितरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों में स्थापित होने वाले 12 नए थानों का ऑनलाइन शिलान्यास भी किया। उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर इन नए थानों की आधारशिला रखी और हरी झंडी दिखाकर पुलिस के लिए आवंटित वाहनों को रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न श्रेणियों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए।मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक शांति, कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारी पुलिस की है। इन्हें सुदृढ़ करने के लिए आधुनिक वाहनों का यह लोकार्पण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज होगा। उन्होंने कहा कि नए वाहनों की उपलब्धता से पुलिस बल की गतिशीलता, प्रतिक्रिया क्षमता और क्षेत्रीय निगरानी में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण संभव हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अपराध नियंत्रण, नागरिक सुरक्षा और पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन आधुनिक वाहनों और नए थानों की उपलब्धता से पुलिस की कार्यक्षमता, प्रतिक्रिया समय तथा क्षेत्रीय निगरानी तंत्र में गुणात्मक सुधार होगा, जिससे आम जनता को त्वरित एवं विश्वसनीय सुरक्षा सेवाएं सुनिश्चित की जा सकेंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में राज्य में बेहतर निगरानी व्यवस्था विकसित होगी और अपराधी अपराध करने से पहले सौ बार सोचने को मजबूर होंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य गठन के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में आधुनिक वाहनों का बेड़ा झारखंड पुलिस को एक साथ उपलब्ध कराया जा रहा है। यह 25 वर्ष पूरे कर चुके झारखंड के सफर में पुलिस आधुनिकीकरण की दिशा में एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक से लैस वाहनों और संसाधनों के माध्यम से पुलिस विभाग अपने कार्य के नए आयामों को छूने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में घटित घटनाओं को लेकर झारखंड पुलिस ने कई मामलों में त्वरित एवं सार्थक कार्रवाई की है, जिससे जनता का विश्वास मजबूत हुआ है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने हाल ही में घटित एक जघन्य घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि धुर्वा थाना क्षेत्र अंतर्गत दो नाबालिग बच्चों के अपहरण के मामले में झारखंड पुलिस की तत्परता और ईमानदार प्रयासों के परिणामस्वरूप बच्चों को शीघ्रता से बरामद किया गया तथा अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय बच्चा चोर गिरोह का पदार्फाश भी किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे उदाहरण यह दशार्ते हैं कि झारखंड पुलिस नई तकनीक और नवाचार के साथ अपराध रोकथाम की दिशा में प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से अपेक्षा की कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सकारात्मक सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पुलिस के साथ-साथ हम सभी नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि समाज में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाएं, समय पर सूचना दें तथा पुलिस के साथ समन्वित सहयोग स्थापित करें। उन्होंने कहा कि जनता और पुलिस के बीच विश्वास, संवाद तथा सहयोग की कड़ी जितनी मजबूत होगी, राज्य की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था उतनी ही सुदृढ़ होगी।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि वे निष्ठा, ईमानदारी तथा संवेदनशीलता के साथ राज्य की सेवा में अपना योगदान देंगे। समारोह में उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वे निष्ठा, संवेदनशीलता और तत्परता के साथ जनसेवा को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करें तथा कमजोर और वंचित वर्गों की सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दें।झारखंड पुलिस के लिए राज्य सरकार द्वारा कुल 1255 पेट्रोलिंग वाहन और 1697 दोपहिया वाहनों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन स्वीकृत वाहनों में से प्रथम चरण में 636 पेट्रोलिंग वाहन तथा 849 दोपहिया वाहन विभिन्न जिलों एवं पुलिस थानों को आवंटित किए जा रहे हैं। यह आधुनिक वाहन बेड़ा गश्ती, क्विक रिस्पॉन्स, ग्रामीण क्षेत्रों में गश्त, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी और आपराधिक गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।इस अवसर पर झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो, मंत्री राधाकृष्ण किशोर, संजय प्रसाद यादव, डॉ. इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय, शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, वंदना दादेल, डीजीपी तदाशा मिश्रा सहित झारखंड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

उत्तराखंड के कपकोट में बोलेरो खाई में गिरी, दो महिलाओं की मौत, पांच घायल

बागेश्वर, (एजेंसी) : उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के कपकोट क्षेत्र में रिखाड़ी-पतियासार के पास शुक्रवार को एक बोलेरो वाहन गहरी खाई में गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार आज शाम वाहन संख्या यूके -02 टीए-4-3078 अनियंत्रित होकर करीब 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। वाहन में चालक सहित कुल सात लोग सवार थे, जिनमें पांच महिलाएं और दो पुरुष शामिल थे। दुर्घटना में दो महिलाओं की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पोस्ट कपकोट की टीम मुख्य आरक्षी दिनेश पुरी के नेतृत्व में मौके के लिए रवाना हुई।उपजिलाधिकारी कपकोट अनिल चन्याल और सीओ मनीष शर्मा के अनुसार चार घायल जिला चिकित्सालय बागेश्वर पहुंच चुके हैं, जहां उनका उपचार शुरू कर दिया गया है। पांचवां घायल भी एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंच गया है और उसका उपचार जारी है।

वस्त्र मंत्रालय का मुंबई में क्षेत्रीय हितधारक परामर्श

नई दिल्ली, (एजेंसी) : वस्त्र मंत्रालय ने शुक्रवार को मुंबई में वस्त्र क्षेत्र के लिए 'एकीकृत कार्यक्रम' पर पहले क्षेत्रीय हितधारक परामर्श का आयोजन किया। इसका उद्देश्य सभी हितधारकों के साथ मिलकर एक ऐसा रोडमैप तैयार करना है जिससे भारतीय वस्त्र उद्योग वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता और विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जा सके।

मंत्रालय के अनुसार यह परामर्श वित्त मंत्री की ओर से केंद्रीय बजट 2026-27 में वस्त्र क्षेत्र के लिए एकीकृत कार्यक्रम की घोषणाओं के बाद आयोजित किया गया था। यह मुंबई सत्र मंत्रालय की ओर से शुरू की गई क्षेत्रीय परामर्शों की श्रृंखला का पहला हिस्सा है।

केंद्रीय बजट में घोषित 'एकीकृत वस्त्र क्षेत्र कार्यक्रम' का लक्ष्य विनिर्माण विस्तार फाइबर उपलब्धता रोजगार सृजन और स्थिरता के माध्यम से इस श्रम-प्रधान क्षेत्र को नई मजबूती प्रदान करना है। परामर्श के दौरान कई प्रमुख योजनाओं पर समानांतर सत्र आयोजित किए गए। इनमें राष्ट्रीय फाइबर योजना टीईएम योजना समर्थ 2.0: कौशल विकास और क्षमता निर्माण तथा मेगा टेक्सटाइल पार्क और टेक्स इको पहल शामिल है।

रोजाना बुक हो रहे 25 लाख सिलेंडर : पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी) : मिडिल ईस्ट में युद्ध की वजह से भारत सहित दुनियाभर में ऊर्जा संकट का खतरा मंडराता जा रहा है। भारत में भी अलग-अलग राज्यों से एलपीजी गैंस संकट की खबरें सुर्खियों में है। शुक्रवार को पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने प्रेसवार्ता कर वर्तमान स्थिति के बारे में लोगों को जानकारी साझा की। उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने की सलाह और पैनिक ना करने की अपील की है। संयुक्त सचिव शर्मा ने कहा कि मैं आप लोगों के माध्यम से सभी देशवासियों से अपील करती हूं कि अफवाहों पर विश्वास न करें और पैनिक ना हो। हमारा जो एवरेज बुकिंग है, वह करीब 50 से 55 लाख बुकिंग प्रति दिन है। लेकिन पिछले कुछ दिनों में बुकिंग बढ़कर करीब 75-76 लाख तक पहुंची है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के कॉल सेंटर को भी मजबूत किया गया है। कॉल सेंटर में सीट्स को बढ़ाकर 400 कर दिया गया है और टेलीफोन लाइनों की संख्या भी बढ़ाकर 50 की गई है। ब्लैक मार्केटिंग और होर्डिंग पर भी एक्शन लिया जा रहा है।

इसके साथ ही राज्यों को फ्यूल सप्लाई को लेकर लगातार कोऑर्डिनेशन और कोऑपरेशन का आश्वासन दिया है। राज्यों को सलाह दी गई है कि ब्लैक मार्केटिंग और होर्डिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और यह सुनिश्चित करें कि इस तरह की घटनाएं न हों।

इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों ने अपने राज्यों में सप्लाई की स्थिति की समीक्षा की है और डीएम तथा एसपी को आवश्यक निर्देश भी दिए हैं। इसके अलावा कई राज्यों जैसे मेघालय, त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, केरल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में कंट्रोल रूम बनाए गए है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में इस स्थिति को लेकर रोजाना प्रेस ब्रीफिंग हो रही है। उत्तर प्रदेश के झांसी में सिलेंडरों से भरा एक ट्रक चोरी हो गया था, जिसे पुलिस ने सफलतापूर्वक बरामद किया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में भी सिलेंडर बरामद किए गए हैं और संबंधित डिस्ट्रीब्यूटर के गोदाम को सील किया।

वैश्विक संकट से निपटने में भारत कोई कसर नहीं छोड़ रहा, कुछ लोग इसे पैनिक बना रहे

पीएम मोदी ने ईरान के खिलाफ इजराइल-अमेरिका जंग से तेल-गैस संकट पर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली,(एजेंसी) : पीएम नरेंद्र मोदी ने ईरान के खिलाफ इजराइल-अमेरिका की संयुक्त लड़ाई के बाद आए वैश्विक संकट को लेकर प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया। जिसमें लिखा- आज युद्ध के चलते जो वैश्विक संकट बना है, उससे निपटने में भारत कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। आजकल बहुत चर्चा एलपीजी को लेकर हो रही है। कुछ लोग हैं जो पैनिक क्रिएट करने की कोशिश कर रहे हैं, अपना एजेंडा चलाना चाहते हैं। मैं इस समय उन पर राजनीतिक टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि ऐसा करके वह जनता के सामने खुद तो एक्सपोज ही कर रहे हैं और देश का भी बड़ा नुकसान कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज युद्ध से जो ये वैश्विक संकट आया है, उसके प्रभाव से कोई देश अछूता नहीं है। कम या अधिक मात्रा में हर कोई शिकार है। भारत सरकार भी इस संकट से निपटने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही है। हम अलग-अलग स्तरों पर कोशिश कर रहे हैं। बीते दिनों दुनिया के कई देशों के शीर्ष नेताओं से मेरी बातचीत हुई है। सप्लाई चेन में जो बाधाएं आई हैं, उनसे हम कैसे पार पाएं, इसके लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इस वैश्विक संकट ने एक बार फिर दिखाया है कि किसी भी देश का आत्मनिर्भर होना इतना ज्यादा जरूरी क्यों है। इसलिए ही बीते सालों में हमने भारत को एनर्जी सेक्टर्स में आत्मनिर्भर बनाने के लिए होलिस्टिक तरीके से काम किया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि हम इस वैश्विक संकट को भी पार कर लेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि मैं फिर दोहराउंगा जहां तक सरकार का प्रश्न है, हम किसी भी प्रकार के प्रयत्न या प्रयास में कोई कमी नहीं आने देंगे। हमारे हर फैसले में जनता का हित सर्वोपरि रहेगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पत्नी संग विवाह समारोह में हुए शामिल

रांची, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपनी धर्मपत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन के साथ सरायकेला- खरसावां जिला के चांडिल प्रखंड स्थित धातकीडीह में गुरु चरण किस्कू के सुपुत्र संतोष कुमार किस्कू संग स्नेहा सोरेन के विवाह के उपलक्ष्य में आयोजित वर-वधू स्वागत समारोह में सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर उन्होंने नव दंपति को बधाई देने के साथ सुखद एवं खुशहाल दांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर गुरु चरण किस्कू एवं उनके सगे-संबंधी मौजूद रहे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री के यहां आगमन पर सरायकेला खरसावां जिला प्रशासन की ओर से स्वागत एवं गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

धनबाद के लिए ऐतिहासिक दिन : अमृत भारत एक्सप्रेस का हुआ भव्य स्वागत

धनबाद, (एजेंसी) : दक्षिण भारत और पूर्वी भारत के बीच रेल संपर्क को मजबूत करने वाली पोत्तनूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन शुक्रवार को 2199 किलोमीटर की लंबी दूरी तय कर धनबाद स्टेशन पहुंची। ट्रेन के आगमन पर स्टेशन परिसर में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद सांसद ढुल्लू महतो अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ मौजूद रहे। रेलवे अधिकारियों, कार्यकताओं और यात्रियों ने ट्रेन का फूल-मालाओं से स्वागत किया रेलवे के अनुसार यह स्पेशल ट्रेन पोत्तनूर से चलकर लगभग 2199 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए धनबाद पहुंची। अब यह धनबादझ्रपोत्तनूर अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में 14 मार्च को दोपहर 2 बजे धनबाद से रवाना होगी और विभिन्न प्रमुख स्टेशनों पर रुकते हुए 16 मार्च को सुबह 11:20 बजे पोत्तनूर (कोयंबटूर) पहुंचेगी। रेलवे द्वारा शुरू की गई यह नई ट्रेन धनबाद और पोत्तनूर (कोयंबटूर) के बीच सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

ट्रेन का परिचालन बोकारो , रांची , राउरकेला , संबलपुर ,टिटिलागढ़ , रायगड़ा , विजयवाड़ा , काटपाडी , सलेम ,कोयंबटूर मार्ग से किया जाएगा। फिलहाल इस ट्रेन का संचालन साप्ताहिक आधार पर किया जा रहा है रेलवे अधिकारियों के मुताबिक पोत्तनूर से धनबाद तक यह ट्रेन करीब 45 घंटे 45 मिनट में सफर पूरा करेगी और धनबाद से पोत्तनूर लगभग 45 घंटे 20 मिनट में तय की जाएगी।

ट्रेन की संरचना भी यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। इसमें 8 स्लीपर कोच, 11 जनरल कोच, दो दिव्यांग फ्रेंडली कोच और एक पैंट्री कार शामिल हैं। जिससे लंबी दूरी की यात्रा यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक होगी।इस नई रेल सेवा से दक्षिण भारत के औद्योगिक क्षेत्रों और पूर्वी भारत के कोयला एवं खनिज क्षेत्रों के बीच संपर्क और मजबूत होगा। खासकर कोयंबटूर और तिरुप्पुर जैसे टेक्सटाइल और मैन्युफैक्चरिंग हब में काम करने वाले झारखंड और ओडिशा के हजारों प्रवासी मजदूरों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। पहले इन मजदूरों को अपने घर पहुंचने के लिए कई ट्रेनों का सहारा लेना पड़ता था और लंबी व कठिन यात्रा करनी पड़ती थी, लेकिन अब उन्हें सीधी, सस्ती और सुविधाजनक रेल सेवा उपलब्ध हो सकेगी।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री से नेतरहाट आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने मुलाकात की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में नेतरहाट आवासीय विद्यालय, लातेहार के विद्यार्थियों ने मुलाकात की। विद्यार्थियों ने विधानसभा भ्रमण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री से मिलकर उनसे परिचर्चा की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री के साथ उत्साहपूर्वक बातचीत की और उनके साथ तस्वीरें भी लीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों से उनके अध्ययन और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने सपनों को साकार करने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री को उनकी तस्वीर भी भेंट की।

महिला सशक्तिकरण पर एक जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी:अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत शुक्रवार को जन शिक्षण संस्थान, खूंटी द्वारा तोरपा प्रखंड के तपकरा स्थित सामुदायिक भवन में महिला सशक्तिकरण विषय पर एक जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में 150 से ज्यादा स्थानीय महिलाएं,स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं तथा ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी निदेशक राजेश शर्मा ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में कौशल विकास की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि जन शिक्षण संस्थान के माध्यम से महिलाओं को विभिन्न कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बनकर समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया के एफएलसीसी प्रतिनिधि एमलेन ललिता जोजो ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बैंकिंग सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर महिलाएँ आसानी से स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। उन्होंने महिलाओं को बचत, ऋण सुविधा तथा वित्तीय साक्षरता के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।वहीं रामजी यादव थाना प्रभारी तपकरा ने अपने संबोधन में महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाएँ किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में बिना संकोच पुलिस प्रशासन से संपर्क करें तथा कानून द्वारा दिए गए अधिकारों के प्रति जागरूक रहें। कार्यक्रम के दौरान 80 सफल प्रशिक्षुको के बीच प्रमाण पत्र वितरण किया गया साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने एवं स्वरोजगार से जुड़ी प्रतिभागियों आकांक्षा कुमारी,स्टेला होरो,इंद्राणी कुमारी,अमृता लकड़ा को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी प्रभावती कुमारी, कुमार शशि प्रकाश, मारिया होरो, दसय नाग, स्वर्णलता गुप्ता, इंद्राणी देवी, मीरा कुमारी तथा अन्य सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में सभी प्रतिभागियों ने महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

भाजपा के 13 मंडल अध्यक्षों के नामों की हुई घोषणा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : भाजपा झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निदेर्शानुसार जिलाध्यक्ष हरेकृष्ण प्रधान ने सरायकेला खरसावां जिले के 13 मंडलों के अध्यक्षों के नाम की घोषणा की है। शुक्रवार को 13 मंडल अध्यक्षों का मनोनयन किया गया है। हरेकृष्ण प्रधान ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दिया है।साथ ही विश्वास जताते हुए कहा की वे अपने जिम्मेदारियों के निर्वहन में पूरी तरह से खरा उतरेंगे।जारी सूची के अनुसार सुमन मुखर्जी को कुकड़ू, शिविर प्रमाणिक को ईचागढ़ पूर्वी, कामदेव नायक को ईचागढ़ पश्चिमी, राहुल मंडल को चांडिल पूर्वी (कपाली), विपुल सिंह सरदार को नीमडीह पूर्वी, मनसा लोहार को राजनगर पश्चिमी, सुखदेव गौंड को राजनगर मध्य, किशन प्रधान को आदित्यपुर पश्चिमी, नरेश महतो उर्फ माइकल को सरायकेला पश्चिमी, मंगल महतो को गम्हरिया मध्य व दास सोय को कुचाई मंडल का अध्यक्ष मनोनित किया गया।

टाटा मोटर्स ने मार्च में 11,500 वाहनों के उत्पादन का रखा लक्ष्य, रविवार को भी खुलेगा प्लांट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : टाटा मोटर्स के जमशेदपुर प्लांट में इस रविवार 15 मार्च को सामान्य दिनों की तरह कामकाज होगा।कंपनी प्रबंधन की ओर से इस संबंध में शुक्रवार को प्लांट हेड के आदेश से सर्कुलर जारी किया गया है।सर्कुलर के तहत वर्तमान व्यावसायिक आवश्यकताओं को देखते हुए कंपनी प्रबंधन ने प्लांट को चालू रखने का निर्णय लिया है। कंपनी के जनरल ऑफिस सहित सभी डिवीजनों, विभागों में सामान्य दिनों की तरह कामकाज होंगे।रविवार को कम करने के बदले मिलने वाली वैकल्पिक छुट्टी की घोषणा बाद में की जायेगी।कंपनी के सभी विभागीय प्रमुखों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी जरूरतों के अनुसार गतिविधियों का समन्वय करें और आवश्यक निर्देश जारी करें।टाटा मोटर्स जमशेदपुर प्लांट में वित्तीय वर्ष के अंतिम महीने में 11,500 से अधिक वाहनों के उत्पादन का लक्ष्य है। इस भारी वर्कलोड और बिजनेस रिक्वायरमेंट को देखते हुए प्रबंधन ने आने वाले रविवार को भी प्लांट में सामान्य कामकाज जारी रखने का निर्णय लिया है। कंपनी सूत्रों के अनुसार, मार्च महीने में गाड़ियों की बढ़ती मांग और पेंडिंग ऑर्डर्स को पूरा करने के लिए प्रति दिन उत्पादन क्षमता में इजाफा किया गया है। 11,500 वाहनों का यह आंकड़ा हासिल करने के लिए प्लांट के सभी विभागों को पूरी क्षमता के साथ काम करने के निर्देश दिये गये हैं।

देवघर नगर निगम में झामुमो समर्थित नेतृत्व का कब्जा, टिप चटर्जी बनीं डिप्टी मेयर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर : देवघर नगर निगम चुनाव में विजयी मेयर और वार्ड पार्षदों को शुक्रवार को विकास भवन के सभागार में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मेयर को संताल परगना के प्रमंडलीय आयुक्त संजय कुमार ने शपथ दिलाई। इस अवसर पर उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा, एसी हीरा कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी शैलेश कुमार तथा जिला पंचायती राज पदाधिकारी समेत कई अधिकारी मौजूद थे।शपथ ग्रहण के बाद डिप्टी मेयर पद के लिए चुनाव कराया गया। मतदान में टिप चटर्जी को 21 वोट मिले, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी अपर्णा झा को 15 वोट ही प्राप्त हुए।इस तरह टिप चटर्जी ने 6 वोटों के अंतर से जीत दर्ज कर देवघर नगर निगम की डिप्टी मेयर पद पर कब्जा जमाया।

डिप्टी मेयर के रूप में जीत के बाद टिप चटर्जी के स्वागत के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता विकास भवन पहुंचे।कार्यकताओं ने उन्हें बधाई दी और जीत का जश्न मनाया।इस जीत के साथ ही देवघर नगर निगम में मेयर और डिप्टी मेयर दोनों पदों पर झारखंड मुक्ति मोर्चा समर्थित उम्मीदवारों का कब्जा हो गया है, जिसे पार्टी के लिए बड़ी राजनीतिक सफलता माना जा रहा है।

लापता छात्र का शव कुएं से बरामद, एक घंटे एनएच जाम,परिजनों का आरोप: हत्या कर शव को कुएं में फेंका गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला थाना के केसीपारा निवासी बासु गोप के सात वर्षीय पुत्र प्रीतम गोप का शव शुक्रवार को गांव के ही कुएं से पुलिस ने बरामद की। प्रीतम चार दिनों से लापता था।वह इंग्लिश मीडियम स्कूल का छात्र था।शव मिलने के बाद परिजन व ग्रामीण आक्रोशित हो उठे। ग्रामीणों ने शव के साथ गुमला व ओड़िशा मार्ग को टैसेरा के समीप जाम कर दिया।एक घंटे तक नेशनल हाइवे सड़क जाम रही। थाना प्रभारी महेंद्र करमाली के समझाने के बाद दिन के 11 बजे जाम हटाया गया।जानकारी के अनुसार प्रीतम अपनी मां सावित्री देवी के साथ केसीपारा गांव में एक चुमावन कार्यक्रम में गया था।घर के अंदर चुमावन हो रहा था। जबकि प्रीतम अन्य बच्चों के साथ घर के बाहर खेल रहा था। इसके बाद प्रीतम रहस्यमय ढंग से गायब हो गया।थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी।परिजन, ग्रामीण व पुलिस तीन दिनों से शव खोज रही थी।जिस कुएं से शव मिली है।उस कुएं में दो दिन पहले ही तलाशी ली गयी थी। लेकिन प्रीतम नहीं मिला. शुक्रवार को पुनः कुएं में तलाशी ली गयी तो शव मिला।पिता बासु गोप ने कहा है कि मेरे बेटे की हत्या हुई है। हत्यारों द्वारा शव को पहले दफनाया गया था। इसके बाद पुनः शव को कब्र से निकालकर कुएं में फेंक दिया गया। थाना प्रभारी महेंद्र करमाली ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।बच्चे की मौत के मामले में जांच के लिए एक टीम का गठन किया गया है।कुएं से शव निकालने के बाद पुलिस शव को टेंपो में लादकर गुमला ला रही थी. लेकिन टैसेरा के समीप नेशनल हाइवे सड़क पर ग्रामीणों ने टेंपो को रोक लिया। इसके बाद शव के साथ मुख्य सड़क को जाम कर दी. इस दौरान सैंकड़ों गाड़ियां जाम में फंस गयी।थाना प्रभारी महेंद्र करमाली लोगों को समझाते रहे। परंतु, लोग प्रीतम की मौत के मामले में जांच करने की मांग पर अड़ गये। इसपर थानेदार ने कहा कि फॉरेंसिक टीम व खोजी कुत्ता के माध्यम से मामले की जांच करायी जायेगी। इसके बाद ग्रामीण माने और शव को ले जाने दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। साथ ही जिस कुएं से शव मिला है।पुनः पुलिस उस कुएं के पास गयी और जांच शुरू की है।हालांकि, समाचार लिखे जाने तक प्रीतम की मौत के कारणों का पता नहीं चला है।बच्चे की मां सावित्री देवी के अनुसार 10 मार्च को गांव के एक घर में चुमावन का रस्म था। उसमें भाग लेने गये हुए थे।इस बीच पुत्र प्रीतम गोप उम्र सात वर्ष बाहर में खेल रहा था।लगभग साढ़े आठ बजे रात तक वह गांव के अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। लगभग 9 बजे अपने घर जाने के लिए जब बाहर अपने पुत्र को देखने निकाली तो वह वहां नहीं था।अपने स्तर पर उसे ढूंढने का प्रयास किया, पर नहीं मिला। अपने सभी रिश्तेदार से संपर्क किया. पर किसी को पता नहीं चला। प्रीतम गोप की मौत के मामले में पुलिस उच्च स्तरीय जांच टीम बनाये।ताकि प्रीतम की मौत के सही कारणों का पता चल सके। प्रीतम की मौत से पूर्वी क्षेत्र के लोग मर्माहत हैं। आक्रोश भी है. यह घटना निंदनीय है। प्रशासन को इस मामले में कड़ाई से कदम उठानी चाहिए।

बच्चा चोर की अफवाह से ग्रामीण क्षेत्र में दहशत का माहौल,पुलिस ने कहा लोग अपवाह पर नही दें ध्यान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला सहित आसपास क्षेत्र में बच्चा चोर की अपवाह से ग्रामीण क्षेत्र में जहां भय का माहौल है।वहीं सिर्फ अपवाह के कारण कई मानसिक विक्षिप्त के साथ भटके हुए लोग इसके शिकार हो रहे हैं। हालांकि गांव में कुछ जागरूक लोगों के कारण बडी घटना घटने से टल रही है। सरायकेला खरसावां जिला में विगत एक पखवारा में कई गांवों में बच्चा चोर की अफवाह फैली हालांकि पुलिस की सक्रियता से कई जगहों में मानसिक विक्षिप्त लोगों की जान बच गयी है।ग्रामीण क्षेत्र में बच्चा चोर के संदेह में मानसिक विक्षिप्त लोगों को ग्रामीण मारपिट करने को उतारू हो जाते हैं।बच्चा चोर की अफवाह से ग्रामीण क्षेत्र अधिक प्रभावित हो रहा है,गांव के भोले भाले लोग आसानी से इस अफवाह को सच मान ले रहे हैं और संदेह के आधार पर किसी को भी पकड़ कर उसके साथ मारपीट भी किया जा रहा है।गुरूवार रात्री सरायकेला थाना के पहाड़पुर, धोबाडीह व पारलपोशी गांव में बच्चा चोर की अपवाह फैल गयी जिसके कारण ग्रामीण लाठी डंडा ले कर घरों से बहार निकल गये और तलाब में छुपे होने की अपवाह पर तलाब को घेर लिया था, अफवाह फैलने की सूचना पर सरायकेला थानाकी पेट्रोलिंग पुलिस पहुंची और लोगों को समझाया।पुलिस ने बताया कि बच्चा चोर सिर्फ एक अपवाह है इसपर ध्यान नही दें। गांव में करीब एक सप्ताह पुर्व ग्रामीणों ने एक महिला को पकड़ा और पुछताछ करते हुए सरायकेला पुलिस को इसकी सुचना दिया। पुलिस द्वारा जांच में सामने आया कि वह शादी समारोह में काम करती है और रास्ता भटक कर गांव पहुंच गयी थी।पुलिस ने उसके बताये पते पर उससे घर तक पहुंचाया।सीनी क्षेत्र में विगत छह दिन पुर्व खरसावां के बिटापुर गांव की एक वृद्धा भटक कर पहुंच गयी थी, जिससे लोगों ने बच्चा चोर समझ कर पकड़ लिया था।सुचना पर सीनी पंचायत की मुखिया जावंत्री मुर्मू व ओपी पुलिस पहुंच कर उससे बातचीत करते हुए उससे सकुशल घर तक पहुंचाया।सरायकेला सदर अस्पताल के समीप एक मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला को घूमते देखा।महिला सरायकेला प्रखंड के पांड्रा गांव की रहने वाली थी।बीते कुछ दिनों से उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है।महिला के सड़क किनारे अकेली टहलते हुए देख कर कुछ लोगों को संदेह हुआ और तरह तरह की बातें उठने लगीं।इसकी भनक लगते ही सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ चंदन कुमार ने सारगीडीह वार्ड के पूर्व वार्ड पार्षद युगल तापे के साथ महिला को रोका और इसकी सूचना सरायकेला थाना प्रभारी को दी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को सुरक्षित उसके घर पहुंचाया।बच्चा चोर की अफवाह का गहरा असर क्षेत्र के प्राथमिक सरकारी विद्यालयों पर पड़ा रहा है।प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावक अपने बच्चों को अकेले स्कूल भेजने से डरने लगे हैं,जिससे स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति घट गई है।कुछ अभिभावक अपने बच्चों को खुद स्कूल पहुंचा रहे हैं वहीं कुछ अभिभावक सामूहिक रूप से भाड़े पर निजी वाहन(टेंपो) के माध्यम से बच्चों को स्कूल भेज रहे हैं।सरायकेला थाना प्रभारी विनय कुमार ने कहा कि बच्चा चोर का अफवाह बिल्कुल निराधार है।कहीं भी इस तरह का कोई मामला नहीं है। जनता को संयम बरतने की जरूरत है।जनता अफवाह पर ध्यान न दे और कहीं भी किसी तरह की संदिग्ध रूप से किसी को भी घुमते देखने पर पुलिस को इसकी सूचना दें, हो सकता है वह मानसिक रूप से विक्षिप्त हो।लोग कानुन को हाथ में नही लें और अपवाह पर ध्यान नही दें।

गृह रक्षा वाहिनी बहाली परीक्षा 17 को, डीसी एसपी ने लिया तैयारी का जायजा, तैयारी पूरी करने का निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला-खरसावाँ जिला अंतर्गत गृह रक्षा वाहिनी के विज्ञापन सं0झ01/2025 के तहत ग्रामीण एवं शहरी गृह रक्षकों के चयन हेतु नव नामांकन हेतु शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं लिखित परीक्षा 17 मार्च को बिरसा मुंडा स्टेडियम में होगी।चयन प्रक्रिया की तैयारी को लेकर शुक्रवार को डीसी नितिश कुमार सिंह व एसपी मुकेश लुणायत ने बिरसा स्टेडियम का निरीक्षण किया व तैयारी का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने मैदान में की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ससमय पूर्ण की जाएं, साथ ही मैदान परिसर में सभी आवश्यक स्थानों पर स्पष्ट सूचना पट्ट एवं दिशा-निर्देश संबंधी साइनबोर्ड लगाए जाएं, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। कहा कि अभ्यर्थियों के मार्गदर्शन एवं सुविधा के दृष्टिकोण से सहायता केंद्र, चिकित्सा केंद्र तथा पंजीकरण केंद्र सहित अन्य आवश्यक स्टॉल स्थापित करने का भी निर्देश दिया, ताकि अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की दुविधा की स्थिति में आवश्यक सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जा सके।उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा स्थल की साफ-सफाई समय रहते सुनिश्चित की जाए तथा संपूर्ण परीक्षा प्रक्रिया के सुचारु संचालन हेतु सभी व्यवस्थाएं पूर्व से ही सुदृढ़ कर ली जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि सभी अभ्यर्थी निर्धारित तिथि को प्रातः 5 बजे से परीक्षा केंद्र पहुंचेंगे , ताकि परीक्षा प्रक्रिया का संचालन व्यवस्थित एवं अनुशासित ढंग से ससमय पूर्ण किया जा सके।डीसी ने कहा कि सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था के दृष्टिकोण से परीक्षा केंद्र परिसर बिरसा मुंडा स्टेडियम, सरायकेला में केवल अभ्यर्थियों को ही निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।अभ्यर्थियों के साथ आने वाले परिजनों को निर्धारित स्थल से आगे जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।संपूर्ण चयन प्रक्रिया पारदर्शिता, अनुशासन एवं सुव्यवस्था के साथ संपन्न कराई जाएगी।निरीक्षण में एसडीओ अभिनव प्रकाश, एसडीपीओ समीर संवैया सहित अन्य पदाधिकारी मौजुद थे।

चांडिल में गैस सिलेंडर से भरा ट्रक पलटा, बड़ा हादसा टला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के नीमडीह थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह करीब सात बजे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।टाटाझ्रपुरुलियाझ्रधनबाद मुख्य मार्ग पर लुपुंगडीह गांव के पास इंडियन गैस सिलेंडर से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया।दुर्घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत नहीं हुई।मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह गैस सिलेंडर लदा ट्रक टाटाझ्रपुरुलियाझ्रधनबाद मार्ग के चांडिल की ओर से नीमडीह की ओर जा रहा था।इसी दौरान लुपुंगडीह गांव के समीप चालक का आंख लग जाने के कारण संतुलन अचानक बिगड़ गया और ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। ट्रक के पलटते ही आसपास के लोगों में दहशत फैल गई, क्योंकि ट्रक में बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर लदे हुए थे।दुर्घटना के बाद ट्रक चालक किसी तरह ट्रक के अंदर से बाहर निकलने में सफल रहा और अपनी जान बचा ली।घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना नीमडीह थाना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही नीमडीह पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को अपने कब्जे में लेकर स्थिति को नियंत्रित किया।पुलिस ने ट्रक तथा उसमें लदे गैस सिलेंडरों को अपने कब्जे में ले लिया, ताकि कोई व्यक्ति सिलेंडर को वहां से ले न जा सके और किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।बताया जा रहा है कि ट्रक पलटने के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात भी प्रभावित हुआ।

मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों का रोल अहम:एसडीओ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मद्देनजर शुक्रवार को सदर अनुमंडल पदाधिकारी सुलोचना मीणा ने अपने कार्यालय कक्ष में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।बैठक में मतदाता सूची के निर्माण,संशोधन तथा इसकी पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये।बैठक में बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता सूची की तैयारी और संशोधन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को बीएलए नियुक्त करने की सुविधा प्रदान की गयी है।बीएलए,मतदान केंद्रों पर कार्यरत बीएलओ को सहयोग प्रदान करते हुए पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने,विलोपित कराने,संशोधन तथा नाम स्थानांतरण से संबंधित कार्यों में सहायता करेंगे।राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा गया कि वे अपने अध्यक्ष,सचिव अथवा किसी अधिकृत पदाधिकारी के माध्यम से जिला प्रतिनिधि को अधिकृत करते हुए ऑथोराईजेशन फॉर्म (बीएलए1)के जरिए बीएलए की नियुक्ति करें।यह प्रपत्र जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को जमा करना होगा।इसके अलावा अधिकृत जिला प्रतिनिधि द्वारा फॉर्म आईडी बीएलए 2के माध्यम से मतदान केंद्रवार बीएलए की नियुक्ति की जाएगी।नियुक्त बीएलए संबंधित मतदान केंद्र के बीएलओ से संपर्क स्थापित कर मतदाता सूची के भागों की प्रतियां प्राप्त कर सकेंगे और सूची की जांच में सहयोग करेंगे।बैठक में बताया गया कि बीएलए के रूप में नियुक्त व्यक्ति का संबंधित मतदान केंद्र की मतदाता सूची में मतदाता के रूप में पंजीकृत होना आवश्यक है,ताकि वह क्षेत्र की मतदाता सूची की जांच करते हुए मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं की पहचान कर सके।

अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि बीएलए नियुक्त होने के बाद आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप कार्य करेंगे तथा पुनरीक्षण अवधि, गैर-पुनरीक्षण अवधि और विशेष अभियान दिवसों के दौरान मतदाता सूची से संबंधित कार्यों के निष्पादन में बीएलओ को आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने में सक्रिय सहयोग की अपील की।इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

विद्यालय के औचक निरीक्षण में मिली कई गड़बड़ियां, आयुक्त ने जताई नाराजगी,कहा विद्यार्थियों की पढ़ाई ही शिक्षकों की पहली प्राथमिकता

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : प्रमंडलीय आयुक्त कुमुद सहाय शुक्रवार को चैनपुर स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, उपस्थिति पंजी, मध्याह्न भोजन एवं अन्य अभिलेखों की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान कई गंभीर गड़बड़ियां सामने आईं, जिसपर आयुक्त ने प्राचार्य एवं शिक्षकों के प्रति कड़ी नाराजगी जताते हुए व्यवस्था में तत्काल सुधार लाने का सख्त निर्देश दिया।निरीक्षण के क्रम में आयुक्त ने विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं का अवलोकन किया। इस दौरान कुछ शिक्षक अनुपस्थित पाए गए। जिसके कारण कई छात्राएं कक्षा से बाहर निकलकर शोरगुल कर रहीं थीं। आयुक्त ने विभिन्न कक्षाओं में जाकर छात्राओं से कई सामान्य प्रश्न पूछे गये, परंतु कई छात्राएं सरल प्रश्नों का भी संतोषजनक उत्तर नहीं दे पायीं। ऐसी स्थिति पर उन्होंने संबंधित वर्ग शिक्षकों एवं प्राचार्य को सही से तरीके से अध्यापन कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की पहली जिम्मेदारी विद्यार्थियों की गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई सुनिश्चित करना है।

आयुक्त ने विद्यार्थियों की उपस्थिति पंजी, मध्याह्न भोजन की दैनिक खपत-सह-स्टॉक पंजी, दैनिक उपस्थिति सारांश सहित विभिन्न अभिलेखों की जांच की। जांच में कई पंजी अद्यतन नहीं पाये गये। मार्च माह के कॉलम पूरी तरह खाली थे। मध्याह्न भोजन से संबंधित संचिका में भी प्रविष्टियां स्पष्ट नहीं थीं तथा पूर्व में भरे गए कई कॉलम संदेहास्पद एवं मनगढ़ंत प्रतीत हुए। इस पर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि पंजियों को खाली रखना और माह के अंत में एक साथ भरना अनियमितता और आपकी स्वेक्षाचारिता की ओर इंगित करता है। उन्होंने सभी अभिलेखों/पंजियों को प्रतिदिन अद्यतन करने का स्पष्ट निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि प्राचार्य कक्ष के सामने ही वाहनों की पार्किंग की गई है। इसपर उन्होंने नाराजगी जताते हुए वाहन की पार्किंग व्यवस्थित ढ़ंग से करने का निदेश दिया। आयुक्त ने प्राचार्य को विद्यालय के शिक्षकों एवं अन्य शैक्षणिक कार्यों पर पूर्ण नियंत्रण रखने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों का भविष्य निर्माण करते हैं, इसलिए विद्यार्थियों की पढ़ाई, अनुशासन और विद्यालय की समुचित व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने पठन-पाठन की गुणवत्ता सुधारने, अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन रखने और विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षण कार्य में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान आयुक्त के सचिव बिजय वर्मा उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की उपस्थिति पंजी की जांच की गई, जिसमें कई गड़बड़ियां सामने आयीं। कई विद्यार्थियों की वास्तविक उपस्थिति कम पाई गई, जबकि पंजी में अधिक दर्ज थी। इतना ही नहीं, 14 मार्च की तिथि के सामने कई छात्राओं के नाम पर पहले से ही अनुपस्थित दशार्ते हुए क्रॉस लगा दिया गया था, जबकि निरीक्षण की तिथि 13 मार्च है। इस पर आयुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे गंभीर लापरवाही बताया।

आयुक्त ने विद्यालय के रसोईघर का भी निरीक्षण किया और विद्यार्थियों के लिए तैयार मध्याह्न भोजन तथा स्टॉक में रखे चावल की जांच की। चावल की बोरियों को चूहों द्वारा कुतरा हुआ पाए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जतायीं। उन्होंने कहा कि मध्याह्न भोजन योजना विद्यार्थियों के पोषण से जुड़ी महत्वपूर्ण योजना है, इसलिए इसके साथ किसी प्रकार की लापरवाही या खिलवाड़ बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने तथा खाद्यान्न का सुरक्षित और व्यवस्थित भंडारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। आयुक्त ने कहा कि यदि मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता में कमी के कारण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, तो इसके लिए विद्यालय के प्राचार्य स्वयं जिम्मेदार होंगे।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580

संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

जनगणना 2027 का प्रथम चरण को लेकर दो दिवसीय प्रशिक्षण समाहरणालय में शुरू

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए जिला व चार्ज अधिकारियों तथा तकनीकी सहायकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण आज से समाहरणालय के सभागार में शुरू हुआ। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे तथा अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर इसका शुभारंभ किया।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि जनगणना किसी भी देश के विकास के लिए योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण करने के लिए अति महत्वपूर्ण है। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही भविष्य की योजनाएं एवं नीतियों का निर्धारण किया जाता है। लगभग डेढ़ दशक के बाद यह जनगणना कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। सभी पदाधिकारी एवं कर्मी इसे पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ सम्पन्न करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही सभी बातों को ध्यानपूर्वक समझें एवं प्रशिक्षण को सफल बनाएं। इसमें जनगणना से जुड़े विभिन्न पहलुओं, प्रश्नों के उपयोग, डेटा संकलन की प्रक्रिया तथा क्षेत्र में कार्य करने के सही तौर तरीकों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। जनगणना कार्य निदेशालय, रांची, झारखंड से आए राष्ट्रीय प्रशिक्षक सह सहायक निदेशक मुरारी मोहन ने सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक उदाहरणों एवं पोर्टल एवं मोबाइल ऐप के माध्यम से मकान सूचीकरण एवं भवनों की गणना से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं को समझाया। बताया कि इस बार की जनगणना पूर्ण रूप से डिजिटल माध्यम से सम्पन्न की जाएगी। मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रगणक हर घर व हर ब्लॉक का डेटा संकलन करेंगे। डिजिटल जनगणना से सूचनाओं का संधारण, तेजी और सटीकता से किया जा सकेगा।प्रशिक्षण के बाद सभी चार्ज अधिकारी अपने-अपने चार्ज अंतर्गत जनगणना 2027 प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य शुरू करेंगे। मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, राष्ट्रीय प्रशिक्षक सह सहायक निदेशक मुरारी मोहन, जिला खेल पदाधिकारी सह सांख्यिकी पदाधिकारी उमेश लोहरा, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, प्रकाश कुमार, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी व अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कोयला भवन में बीसीसीएल प्रोजेक्ट स्कूलों हेतु गठित सेंट्रल एडवाइजरी कमिटी की बैठक आयोजित

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कोयला भवन मुख्यालय में आज बीसीसीएल प्रोजेक्ट स्कूलों हेतु गठित ह्यसेंट्रल एडवाइजरी कमिटीह्ल की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने की। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष (कल्याण) श्रीमती किरण रानी नायक, वरीय प्रबंधक (वित्त) पंकज कुमार सिंह तथा बीसीसीएल प्रोजेक्ट स्कूलों के प्रधानाचार्य एवं प्रधानाध्यापिकाएँ उपस्थित रहीं। इनमें अजित कुमार दुबे (डीएवी, कुसुंडा), प्रसेनजीत कुमार पाल (डीएवी, दुग्दा), श्रीमती इंदु प्रसाद (डीएवी, मुनीडीह), सुब्रोतो मोदक (डीएवी, अलकुसा), एन. एन. श्रीवास्तव (डीएवी, कोयलानगर), डॉ. अभिलाषा कुमारी (डीएवी, लोदना), श्री रामसुमन सिंह (एसवीएम, भूली) तथा रमाकांत राणा (एसवीएम, सिनीडीह) शामिल थे।बैठक के दौरान सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा अपने-अपने संस्थानों की अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुतिकरण में छात्र-शिक्षक अनुपात, आधारभूत संरचना, उपलब्ध शैक्षणिक संसाधन, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों तथा शैक्षणिक उपलब्धियों से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की गई। इन बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए स्कूलों की वर्तमान स्थिति, आवश्यकताओं तथा भविष्य की संभावनाओं पर सार्थक विचार-विमर्श किया गया।इस दौरान स्कूलों द्वारा ह्यडेफिसिट ग्रांटह्ल से संबंधित मांग भी रखी गई। इस विषय पर प्रबंधन की ओर से निदेशक (मानव संसाधन) ने कहा कि संस्थानों की वास्तविक आवश्यकताओं तथा वित्तीय अनुशासन को ध्यान में रखते हुए इस संबंध में आवश्यक समीक्षा एवं प्रक्रियात्मक पहल की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि डेफिसिट ग्रांट से संबंधित मामलों में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व तथा संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करना आवश्यक है।बैठक के दौरान निदेशक (मानव संसाधन) ने सभी स्कूलों में डेफिसिट ग्रांट के संदर्भ में नियमित त्रैमासिक एवं अर्धवार्षिक निरीक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मुख्यालय स्तर पर एक ऑडिट कमिटी गठित करने के निर्देश दिए, जो समय-समय पर स्कूलों की वित्तीय एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक सुझाव प्रदान करेगी, ताकि संस्थानों की कार्यप्रणाली अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं प्रभावी बन सके।अपने संबोधन में निदेशक (मानव संसाधन) ने कहा कि बीसीसीएल प्रोजेक्ट स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और इन संस्थानों को समय के साथ आधुनिक शैक्षणिक पद्धतियों को अपनाते हुए निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने स्कूलों के बीच पारस्परिक अधिगम को बढ़ावा देने तथा उनकी कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं समन्वित बनाने पर बल देते हुए कहा कि विभिन्न स्कूलों द्वारा अपनाई गई श्रेष्ठ शिक्षण पद्धतियों, नवाचारों और सफल पहलों को साझा किया जाना चाहिए, ताकि सभी संस्थान एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हुए और बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी प्रोजेक्ट स्कूल समन्वित प्रयासों के माध्यम से शिक्षा के उच्च मानकों को प्राप्त करने की दिशा में निरंतर कार्य करते रहेंगे और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के अपने उद्देश्य को और सुदृढ़ करेंगे।

एक महीने से लापता परमेश्वर टुडू का शव रेलवे पोल के पास क्षत विक्षत अवस्था में बरामद किया गया

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : सिंदरी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक दुखद घटना सामने आई। लगभग एक महीने से लापता मनोहरटांड़, सिंदरी कॉलेज के पास के निवासी परमेश्वर टुडू (लगभग 40 वर्ष) का शव हर्ल रेल लाइन ट्रैक के एल-113 पोल के पास क्षत-विक्षत अवस्था में बरामद किया गया। मृतक के छोटे भाई रवि टुडू ने बताया कि परमेश्वर पिछले एक महीने से घर से लापता थे और मानसिक रूप से कुछ अस्वस्थ चल रहे थे।परिवार के लोग लगातार उनकी तलाश कर रहे थे, लेकिन शुक्रवार को शव मिलने की खबर से परिवार की उम्मीदें टूट गईं। घटना की सूचना मिलते ही सिंदरी थाना से सहायक अवर निरीक्षक हेमाराम और पुलिसकर्मी ऐसी हेंब्रम दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों का बयान दर्ज किया। परिजनों के आग्रह पर पोस्टमार्टम नहीं कराया गया और मौके पर ही पंचनामा की प्रक्रिया पूरी कर शव अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिया गया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

अफवाह के बीच एलपीजी सिलेंडर के लिए लंबी कतारें, कई लोग निराश लौटे

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : शहर में एलपीजी सिलेंडर की संभावित कमी की अफवाह के बीच शुक्रवार को विभिन्न गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। सुबह से ही बड़ी संख्या में उपभोक्ता सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों के बाहर पहुंच गए और शाम तक कतार में डटे रहे। हालांकि भीड़ अधिक होने के कारण कई लोगों को घंटों इंतजार के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल पाया और उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा।कतार में खड़े लोगों का कहना था कि वे सुबह से लाइन में लगे हुए हैं, लेकिन देर शाम तक भी उन्हें गैस नहीं मिल सकी। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि वे दूर-दराज के इलाकों से सिलेंडर लेने के लिए आए हैं, लेकिन भारी भीड़ के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।शहर के विभिन्न एलपीजी वितरकों के यहां भी इसी तरह की स्थिति देखने को मिल रही है, जहां गैस लेने वालों की लंबी कतार लगी हुई है। हालांकि गैस एजेंसी संचालकों ने स्पष्ट किया कि शहर में एलपीजी सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि अफवाह के कारण लोग एक साथ बड़ी संख्या में सिलेंडर लेने पहुंच रहे हैं, जिसकी वजह से कतारें लंबी हो रही हैं।

कोयला भवन में बीसीसीएल की नवगठित महिला कल्याण समिति की प्रथम बैठक आयोजित

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कोयला भवन मुख्यालय में आज बीसीसीएल की नवगठित महिला कल्याण समिति की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने की। इस अवसर पर सीएमएस डॉ. पूनम दुबे, महाप्रबंधक (एचआरडी) अनूप कुमार रॉय, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कुमार मनोज, महाप्रबंधक (सीएसआर/एमपी एवं आईआर) सुरेन्द्र भूषण, विभागाध्यक्ष (कल्याण) श्रीमती किरण रानी नायक सहित नवगठित महिला कल्याण समिति की सभी सदस्याएं उपस्थित रहीं।कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों एवं नवगठित महिला कल्याण समिति की सदस्यों के स्वागत के साथ हुई। कमिटी की चेयरमैन डॉ. पूनम दुबे ने उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों तथा महिला समिति की कार्यकारिणी सदस्यों का शॉल एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया। स्वागत संबोधन देते हुए विभागाध्यक्ष (कल्याण) श्रीमती किरण रानी नायक ने महिला समिति के गठन की आवश्यकता, उसकी भूमिका तथा महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बीसीसीएल द्वारा गठित यह समिति पूरे कोल इंडिया में अपनी तरह की प्रथम पहल है, जो संस्था के लिए गर्व का विषय है।अपने संबोधन में निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने कहा कि किसी भी संगठन की प्रगति में महिला कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है तथा कार्यस्थल पर सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सहयोगात्मक वातावरण सुनिश्चित करना संस्था की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल द्वारा महिला कल्याण समिति का गठन कोल इंडिया में सर्वप्रथम तथा अपनी तरह की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो महिला कर्मचारियों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह समिति महिला कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक पहल करते हुए संगठन में समावेशी एवं संवेदनशील कार्य संस्कृति को और सुदृढ़ करेगी।कमिटी की चेयरमैन डॉ. पूनम दुबे ने कहा कि महिला कल्याण समिति का गठन बीसीसीएल में कार्यरत महिला कर्मचारियों के हितों, सुरक्षा एवं कल्याण से जुड़े विषयों पर समन्वित रूप से कार्य करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की समिति का गठन किया जाना एक सराहनीय पहल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समिति महिला कर्मचारियों को अपनी बात रखने का एक सशक्त मंच प्रदान करेगी तथा जागरूकता एवं कल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से उनके आत्मविश्वास, सहभागिता और नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करेगी।विदित हो कि कोल इंडिया के दिशा-निदेर्शों के आलोक में गठित इस समिति में मुख्यालय स्तर पर 06 महिला अधिकारियों के साथ विभिन्न श्रमिक संगठनों से जुड़ी 06 महिला कर्मी शामिल हैं। समिति के सदस्यों के नाम निम्नलिखित हैं.

कतरास सूर्य मंदिर के प्रांगण में प्रस्तावित श्री श्याम बाबा मंदिर के अवलोकन के लिए सुंदरगढ़ से पहुंचे महात्मा

कतरास : कतरास कतरी नदी स्थित सूर्य मंदिर प्रांगण में श्रीश्याम बाबा मंदिर निर्माण की योजना को लेकर खाटू श्याम जी सूरजगढ़ से हजारी लाल इंदौरिया पहुंचे।उन्होंने श्री श्याम शरणम्‌ सेवा ट्रस्ट के सौजन्य से ऐतिहासिक और सौभाग्य भव्य श्याम मंदिर के प्रस्तावित निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। इंदौरिया जी ने मंदिर की जमीन को देखा और पूरी रूपरेखा को बहुत ही बारीकी से समझा।उन्होंने मंदिर के वास्तु और भव्य निर्माण को लेकर अपना महत्वपूर्ण और उचित मार्गदर्शन ट्रस्ट के पदाधिकारी व सदस्यों को दिया। उन्होंने श्री श्याम शरणम्‌ सेवा ट्रस्ट' की राष्ट्रीय कार्यकारिणी, पदाधिकारियों और सभी सेवादारों को इस महान कार्य के लिये अपना आशीर्वाद प्रदान किया। सूरजगढ़ जैसे ऐतिहासिक दरबार से उनके पधारने पर भव्य स्वागत किया गया।उसके बाद वे पंचगढ़ी बाजार स्थित सालासर बालाजी मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने दर्शन किया और पुष्प अर्पित की। उन्होंने मंदिर निर्माण कार्य में लगे सभी सेवादारों का हौसला बढ़ाया, जिससे सभी में नई ऊर्जा और प्रेरणा संचार हुआ। उन्होंने कहा कि आप माध्यम हो बाबा श्याम की कृपा से यह मंदिर शीघ्र ही एक भव्य रूप लेगा। आप सभी का सहयोग और प्रार्थनाएं इसी तरह बनी रहें।आचार्य रासबिहारी शर्मा व राजबिहारी शर्मा ने बताया कि यह मंदिर भव्य बनेगा। जिसमें राजस्थान से पत्थर लगाया जाएगा। भव्य व आकर्षक प्रतिमा स्थापित की जाएगी। 23 अप्रैल को मंदिर का भूमिपूजन किया जाएगा। सूरजगढ़ से बालाजी ध्वज आ चुका है। मौके पर डा. वीएन चौधरी, किशोरी गुप्ता, संदीप आबुसरिया, विजय गुप्ता, श्रृजल गुप्ता, दिनेश सेन आदि मौजूद थे.

अशर्फी अस्पताल में शव रोकने का मामला विधानसभा में उठा, विधायक रागिनी सिंह ने सरकार को घेरा

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : झारखंड विधानसभा में शुक्रवार को धनबाद के अशर्फी अस्पताल में शव रोके जाने के मामले को लेकर सदन में झरिया की विधायक रागिनी सिंह ने मुद्दा उठाते हुए राज्य सरकार से जवाब तलब किया। सदन में सूचना के माध्यम से मामला रखते हुए विधायक रागिनी सिंह ने बताया कि धनबाद जिले के जामाडोबा, झरिया निवासी गुड्डू सिंह उर्फ संजीत सिंह एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे, उन्हें इलाज के लिए असर्फी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। विधायक ने कहा कि सरकार की ओर से अक्सर कहा जाता है कि किसी मरीज की मौत के बाद अस्पताल अतिरिक्त शुल्क नहीं ले सकते हैं, साथ ही शव परिजनों को सौंप दिया जाता है। लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग दिखाई देती है। विधायक ने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि यदि मंत्री यह कहते हैं कि मृत्यु के बाद किसी प्रकार का भुगतान नहीं लिया जाता, तो फिर असर्फी अस्पताल ने परिजनों से पैसे की मांग क्यों की गई। आरोप है कि भुगतान किए बिना शव नहीं सौंपा जा रहा था, विदित हो कि इस बात की सूचना मिलते ही मेयर संजीव सिंह ने बकाया भुगतान कर अस्पताल से मृतक का शव परिजनों को दिलाया।

आईआईटी आईएसएम धनबाद में नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम का हुआ समापन

ट्रुथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः शिक्षा मंत्रालय की प्रमुख पहल मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत आयोजित पांच दिवसीय नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम का सफल समापन आईआईटी आईएसएम धनबाद के एमएमटीटी सेंटर में हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन आईआईटी आईएसएम के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों और अकादमिक पेशेवरों में नेतृत्व क्षमता को मजबूत करना था। कार्यक्रम में देश के कई प्रमुख संस्थानों जैसे सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी रायचूर, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी वाराणसी, विनोबा भावे यूनिवर्सिटी तथा विनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी सहित अन्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। पांच दिनों तक चले इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों के व्याख्यान, इंटरैक्टिव चर्चा और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से

प्रतिभागियों को अकादमिक नेतृत्व से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम की विषयवस्तु राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप तैयार की गई थी, जिसका उद्देश्य शिक्षकों और उच्च शिक्षण संस्थानों की क्षमता को संस्थागत विकास और नवाचार की दिशा में मजबूत करना था।समापन सत्र में आईआईटी आईएसएम धनबाद के प्रो. सोमनाथ चट्टोपाध्याय और प्रो. ज्ञान प्रकाश उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर बधाई दी और उन्हें अपने-अपने संस्थानों में प्राप्त अनुभवों और सीख को लागू करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. मृणालिनी पांडे तथा सह-समन्वयक प्रो. मो. इरफान ने प्रतिभागियों, संसाधन व्यक्तियों और कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने नेतृत्व से जुड़ी सीख को अपने संस्थानों में लागू करने और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

नगर निगम ने पाथरडीह में मांस व मिठाई की दुकानों से वसूला गया जुमार्ना, दी गई चेतावनी

धनबाद : शहर में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा को लेकर नगर निगम अब पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। शहर के पाथरडीह लोको बाजार में शुक्रवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब नगर निगम के अधिकारियों की टीम अचानक होटलों, मटन-चिकन की दुकानों और मिठाई ठेलों पर जांच करने पहुंच गई। निगम की इस कार्रवाई से कई दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर भागते नजर आए।नगर निगम की फूड इंस्पेक्टर पूनम ज्योति और पशु चिकित्सा पदाधिकारी दीपांजली मरांडी के नेतृत्व में यह छापेमारी की गई। टीम ने पाथरडीह लोको बाजार की गलियों में घूम-घूम कर खाने-पीने के सामानों की गुणवत्ता की बारीकी से जांच की। इस दौरान केवल खाने के सामान ही नहीं, बल्कि दुकानों के होल्डिंग टैक्स और कमर्शियल लाइसेंस की भी बारी-बारी से जांच की गई।जांच के दौरान जिन दुकानों के कागजात सही नहीं पाए गए, उन पर तुरंत कार्रवाई करते हुए 1500 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। वहीं, एक मुर्गा फार्म संचालक टीम को देखते ही दुकान खुली छोड़कर भाग खड़ा हुआ, जिसके खिलाफ अब निगम ने नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। निगम अधिकारियों ने दुकानदारों को किसी भी हाल में खाने- पीने की चीजों को खुला नहीं रखने का निर्देश दिया है। साथ ही मटन और चिकन की दुकानों को साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है, ताकि किसी भी तरह के संक्रमण या वायरस का खतरा न रहे। अधिकारियों ने साफ कहा कि इस बार कई दुकानदारों को चेतावनी देकर छोड़ा जा रहा है, लेकिन अगली बार गड़बड़ी मिलने पर सीधे लाइसेंस रद्द कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर फूड इंस्पेक्टर पूनम ज्योति ने कहा कि लोको बाजार में मटन, चिकन और मिठाई दुकानों की जांच की गई है। जांच करने का उद्देश्य साफ-सफाई और लाइसेंस की जांच करना है। उन्होंने कहा कि खुले में मांस बेचना प्रतिबंधित है। जिन लोगों के पास कागजात नहीं हैं, उन्हें चेतावनी दी गई है और उनसे जुमार्ना भी वसूला गया है।

झारखंड में खाद्य प्रसंस्करण स्टार्टअप को केंद्र का प्रोत्साहन, 4665 इकाइयों को मिली 94.82 करोड़ की सहायता : दीपक प्रकाश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड से राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश द्वारा संसद में उठाए गए महत्वपूर्ण प्रश्न पर केंद्र सरकार ने बताया है कि किसानों की आय बढ़ाने और कृषि उत्पादों के बेहतर विपणन को सुनिश्चित करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में स्टार्टअप एवं उद्यमों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।राज्यसभा में पूछे गए अतारांकित प्रश्न के उत्तर में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने जानकारी दी कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से झारखंड सहित पूरे देश में खाद्य प्रसंस्करण अवसंरचना के विकास और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है।सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना तथा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन योजनाओं के तहत पात्र स्टार्टअप और उद्यमों को सब्सिडी एवं प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है जिससे किसानों की आय में वृद्धि और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं।केंद्र सरकार ने यह भी बताया कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय द्वारा स्टार्टअप को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, गुणवत्ता परीक्षण, अनुसंधान एवं विकास सहायता तथा इन्क्यूबेशन सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके लिए राष्ट्रीय

खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान के माध्यम से स्टार्टअप को विशेष सहायता प्रदान की जाती है।सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार 31 दिसंबर 2025 तक झारखंड में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत 94.82 करोड़ रुपये की सब्सिडी से 4665 सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को लाभ मिला है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत राज्य में 0.5 करोड़ रुपये की सब्सिडी वाली एक परियोजना तथा उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत दो स्थानों पर 11.76 करोड़ रुपये के प्रतिबद्ध निवेश वाली खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है।राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि केंद्र सरकार की इन योजनाओं से झारखंड में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को नई गति मिलेगी, किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलेगा और राज्य में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।उन्होंने कहा कि झारखंड में कृषि आधारित उद्योगों और स्टार्टअप को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है, ताकि किसानों की आय बढ़े और स्थानीय स्तर पर मूल्य संवर्धन के माध्यम से राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके।

संक्षिप्त खबरें

हेहल आईटीआई परिसर में रोजगार मेला शनिवार को, 17 कंपनियां आ रहीं

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत अवर प्रादेशिक नियोजनालय सह मॉडल कैरियर सेंटर, रांची की ओर से शनिवार को आईटीआई परिसर, हेहल में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा।रोजगार मेला सुबह 10:30 बजे से शुरू होगा, जिसमें निजी क्षेत्र की 17 कंपनियां भाग लेंगी और विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। राज्य के बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित इस मेले में पांचवीं पास से लेकर स्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा और जीएनएम योग्यताधारी अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इसमें 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के उम्मीदवारों को अवसर दिया जाएगा।

रांची क्लब में वसंतकालीन गुलाब प्रदर्शनी पंद्रह को

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रोज सोसाइटी ऑफ रांची और रांची क्लब के सहयोग से 15 मार्च को रांची क्लब में 103वीं वसंतकालीन गुलाब प्रदर्शनी आयोजित होगी। उद्घाटन मुख्य अतिथि मेजर जनरल सज्जन सिंह मान करेंगे। प्रदर्शनी में विभिन्न किस्मों के गुलाबों के साथ पेंटिंग्स और हस्तशिल्प आकर्षण का केंद्र रहेंगे। प्रविष्टियां सुबह 7 से 9 बजे तक ली जाएंगी, जबकि आम जनता दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक निःशुल्क दीदार कर सकेगी। सोसाइटी अध्यक्ष गोपाल प्रसाद साहू ने बताया कि सर्वश्रेष्ठ गुलाबों को किंग और क्वीन ऑफ द शो से नवाजा जाएगा।

जंगल से भटककर गांव पहुंचा हिरण का बच्चा, इलाज से पहले ही मौत

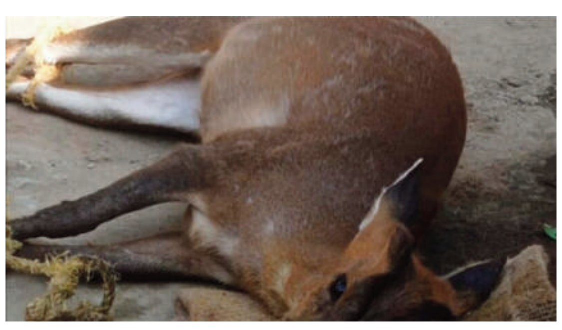

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : नामकुम के सौदाग पंचायत स्थित बड़ पहाड़ जंगल से शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे भटककर दो हिरण के बच्चे अपर डहू गांव की ओर आ गए। ग्रामीणों ने दोनों को दौड़ाकर वापस जंगल की ओर भगाने की कोशिश की, इसी दौरान एक हिरण का बच्चा गिरकर बेहोश हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर वन विभाग के पदाधिकारी राहुल महली गांव पहुंचे और हिरण के बच्चे को कब्जे में लेकर उसका इलाज कराने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं, दूसरा बच्चा मौके से गायब हो गया। गांव के मुखिया पतरस तिर्की ने बताया कि एक हिरण का बच्चा भटककर गांव में आ गया था, लेकिन उसकी मौत कैसे हुई, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है।उन्होंने बताया कि फिलहाल एक ही हिरण के बच्चे के मरने की पुष्टि हुई है। पशु तस्कर के शिकार की आशंकाजेएमएम के पूर्व जिला सह सचिव प्रसेनजीत सिंह देव ने बताया कि बड़ पहाड़ जंगल से इन दिनों अक्सर हिरण और राष्ट्रीय पक्षी मोर भटककर गांव की ओर आ जाते हैं। उन्होंने आशंका जताई कि पशु तस्कर इनका शिकार कर तस्करी करते हैं। उन्होंने वन विभाग से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

यूनिसेफ प्रतिनिधियों ने स्कूल का किया निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में शुक्रवार को सात राज्यों के यूनिसेफ प्रतिनिधि ने विद्यालय का निरीक्षण किया। जिसमें छत्तीसगढ़, बिहार, गुजरात, प. बंगाल, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और झारखंड के यूनिसेफ मुख्य प्रतिनिधि ने विद्यालय परिसर, छात्रावास, इको क्लब, जलसेना, ऊर्जा ऑडिट, कचड़ा प्रबंधन, महामारी कक्ष, स्वच्छता, लैब, लाइब्रेरी, गार्डेन, आर्चरी इत्यादि का परिभ्रमण किया। विद्यालय की बाल संसद छात्राओं के क्रियाकला और छात्राओं के आत्मविश्वास देखकर टीम बहुत प्रभावित हुई। बाल संसद के प्रधानमंत्री अलका कुमारी, इको क्लब की रिया सिंह, रबीना कुमारी, नीतू कुमारी की सक्रियता की दूसरे राज्यों से आए हुए प्रतिनिधि ने प्रशंसा की और इस विद्यालय के क्रियाकलापों का अपने राज्य में लागू करने की बात कही।टीम ने कहा कि राज्य में कस्तूरबा गांधी विद्यालय का मॉडल अन्य राज्यों से बेहतर है और यह विद्यालय अन्य अभी विद्यालयों के लिए आदर्श है। इसके पूर्व 10 मार्च को यूनिसेफ के चीफ अफ्रीकन मूल के पोलूस वर्कने ने भी विद्यालय का भ्रमण कर छात्राओं की प्रशंसा की थी। मौके पर झारखंड राज्य के यूनिसेफ से गौरव वर्मा, नागेश परिहार, सुधाकर रेडी, वीके सतपति, वॉर्डन सरोजिनी टोप्पो, शशिबाड़ा, सौरभ सिंह, राजाराम लोहरा और कृष्ण चंद्र महतो आदि मौजूद थे।

पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान में कुल 115 मामले सुलझे,अंतिम दिन 54 मामलों को सुलझाने में सफलता मिली

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची(ईएमएस)।व्यवहार न्यायालय रांची स्थित मध्यस्थता केंद्र में पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान का शुक्रवार को समापन हो गया। यह मध्यस्थता अभियान न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजित नारायण प्रसाद के दिशा निर्देश पर एवं सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं न्यायायुक्त, रांची अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव की उपस्थिति में सम्पन्न हुई है। नौ मार्च से विशेष मध्यस्थता अभियान शुरू हुआ था। उक्त विशेष मध्यस्थता अभियान के पहले दिन 15, दूसरे दिन 15, तीसरे दिन 20, चौथे दिन 11 और अंतिम दिन 54 मामलों को अधिवक्ता मध्यस्थ, विशेषज्ञ मध्यस्थत एवं दोनों पक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं की सुझबूझ एवं अथक प्रयास से सफलतापूर्वक सुलझाया गया।बताते चले कि शुक्रवार को अंतिम दिन कुल 54 मामले विभिन्न न्यायालयों से स्थानांतरित होकर मध्यस्थता केंद्र, रांची में आये थे, जिसमें से सभी 54 मामलों को सफलतापूर्वक मध्यस्थों और अधिवक्ताओं के सहयोग से सुलझा लिया गया।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य, स्थापित अधिनियमों के अनुसार ही करें झ्र के. रवि कुमार, मुख्य

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण में किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए कोई स्थान नहीं है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गहन पुनरीक्षण हेतु प्रत्येक बिंदु अधिनियमों में वर्णित है। पदाधिकारी इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी कार्य अथवा निर्णय भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित किए गए स्थापित अधिनियमों के अनुसार ही करें। श्री के. रवि कुमार शुक्रवार को निर्वाचन सदन से सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची के ड्राफ्ट पब्लिकेशन के समय एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ एवं डुप्लीकेट की सूची अलग से प्रकाशित की जाएगी। इस सूची को डिजिटलाइज्ड करने का कार्य

ससमय पूरा करें। एएसडीडी सूची को संबंधित मतदान केंद्र के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट से सत्यापित कराना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में जिला स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण पूर्व तैयारियों के अद्यतन स्थिति एवं समन्वय हेतु बैठक अवश्य कर लें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि एक भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से छुटे नहीं इसे लक्ष्य के साथ कार्य करना है। उन्होंने कहा कि बीएलओ घर घर जाने के क्रम में उस घर के मुखिया एवं उस घर में रह रहे सदस्यों की भी एक सूची बना लें जिससे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में सहायता प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि वैसे मकान जिनका मकान संख्या नहीं है उसे नोशनल नंबर देकर चिन्हित करें। जिससे एक मकान में रह रहे मतदाताओं का मतदान केंद्र एक ही स्थान पर रहे। के. रवि कुमार ने कहा कि बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर की ट्रेनिंग ससमय करा लें। ट्रेनिंग के दौरान बीएलओ से संपर्क करने के बुक ए कॉल फीचर की पूरी जानकारी दें साथ ही इसपर मतदाताओं के द्वारा किए गए सवालों एवं शिकायतों का त्वरित रूप से निष्पादन करें। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, ट्रेनिंग नोडल देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित निर्वाचन से संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

संघरी घाटी में कोयला लदा हाईवा पलटा, चालक की मौत, घंटों रोड जाम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : सदर थाना क्षेत्र के संघरी घाटी में शुक्रवार की अहले सुबह एक कोयला लदा हाईवा के पलटने से चालक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कई वाहनों की आपस में टक्कर हो गई। हाईवा के पलटने के कारण कोयला मुख्य सड़क पर ही गिखर गया और पूरी तरह से रोड को जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना की पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक चालक की पहचान लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के सेरम पंडरिया गांव निवासी आदित्य राणा के रूप में हुई है।वह भोला राणा के पुत्र बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार आदित्य राणा कोयला लदा हाईवा लेकर चतरा-गया मुख्य पथ से गुजर रहे थे, तभी संघरी घाटी के पास हाईवा अचानक नियंत्रण खो बैठा और पलट गया।

भारी वाहन के पलटते ही पीछे से आ रही कई छोटे-बड़े वाहन समय पर ब्रेक नहीं लगा सके और आपस में टकरा गए। इस दुर्घटना के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद चतरा-गया मुख्य मार्ग पर लंबा जाम लग गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई घंटे तक सड़क पर यातायात बाधित रहा। शुक्रवार को लगभग दस बजे सदर थाना पुलिस सड़क पर पलटी गाड़ी को जेसीबी के माध्यम से हटाया तब जाम टूटा। सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई थी। दुर्घटनाग्रस्त हाईवा और दूसरी गाड़ियों को सड़क से हटा दिया गया है, यातायात सामान्य हो गया है।

सबर जनजाति के अधूरे आवासों को लेकर फूटा गुस्सा, डीडीसी को सौंपा ज्ञापन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूमः झारखंड पुनरुत्थान अभियान के बैनर तले शुक्रवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने पूर्वी सिंहभूम के उप विकास आयुक्त नागेंद्र पासवान से मुलाकात की और सबर जनजाति के अधूरे आवासों का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। जिला अध्यक्ष बलराम मुर्मू के नेतृत्व में सौंपे गये ज्ञापन में बताया गया कि पोटका प्रखंड के तुलग्राम और कोराड़कोचा के गालूडीह टोला में रहने वाले अत्यंत कमजोर सबर परिवारों की स्थिति बेहद दयनीय है। संगठन ने चिंता जताते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की आवास योजनाएं पिछले तीन वर्षों से अधर में लटकी हुई हैं।यह न केवल प्रशासनिक लापरवाही है, बल्कि संविधान द्वारा दिये गये गरिमापूर्ण जीवन जीने के अधिकार का भी सीधा उल्लंघन है। प्रतिनिधिमंडल ने डीडीसी से मांग की है कि आवासों के निर्माण में हो रही देरी की तत्काल उच्च स्तरीय तकनीकी जांच करायी जाये।साथ ही बारिश का मौसम आने से पहले काम पूरा कर सबर परिवारों को सुरक्षित छत उपलब्ध करायी जाये।संगठन ने उन अधिकारियों और ठेकेदारों पर भी कड़ी कार्रवाई की मांग की है, जिन्होंने सरकारी धन मिलने के बावजूद काम को रोक रखा है।इस मौके पर केंद्रीय प्रवक्ता प्रणव कुमार महतो ने कहा कि सबर समाज का सबसे संवेदनशील हिस्सा हैं और उन्हें घर न मिलना प्रशासन की संवेदनहीनता को दशार्ता है।यदि जल्द ही निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया, तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

सेंट जेवियर्स कॉलेज में भारतीय रिजर्व बैंक का वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : भारतीय रिजर्व बैंक, रांची क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा अप-लिफ्ट कार्यक्रम के तहत 13 मार्च 2026 को सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची में छात्र-छात्राओं के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक, रांची के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक 9 से 15 मार्च तक डिजिटल भुगतान जागरूकता सप्ताह मना रहा है, जिसका उद्देश्य डिजिटल लेन-देन को सुरक्षित और जिम्मेदार बनाना तथा साइबर धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के मनीवाइज कार्यक्रम के तहत साख फाउंडेशन

के राज्य प्रमुख मनोज सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में छात्रों को केंद्रीय बैंक की भूमिका, बैंकिंग व्यवस्था, डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता के महत्व की जानकारी दी गई। अंत में प्रतिभागियों के लिए प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

झारखंड विधानसभा में खुद रिक्शा चलाकर पहुंचे मंत्री इरफान, गैस संकट पर केंद्र सरकार को घेरा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान गैस सिलेंडर की कथित किल्लत और बढ़ती महंगाई का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा रहा है। इस मुद्दे को लेकर सदन के बाहर और अंदर सत्तापक्ष के विधायकों ने प्रदर्शन किया। झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और आरजेडी के नेताओं ने हाथों में गैस सिलेंडर के प्रतिरूप (रिप्लिका) और पोस्टर लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पोस्टरों पर ह्लसंसद से नरेंद्र मोदी गायब, देश से सिलेंडर गायबह्व जैसे नारे लिखे हुए थे। प्रदर्शन कर रहे विधायकों ने आरोप लगाया कि केंद्र की नीतियों के कारण जनता को गैस की किल्लत और महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान एक अनोखा दृश्य तब दिखाई दिया, जब राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी खुद रिक्शा चलाकर विधानसभा पहुंचे। रिक्शे की पिछली सीट पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की बैठी थीं और उनके हाथ में महंगाई के खिलाफ नारे लिखे पोस्टर थे। इस प्रतीकात्मक प्रदर्शन के जरिए

उन्होंने बढ़ती कीमतों और गैस संकट के मुद्दे को उठाने की कोशिश की। विधायक तिर्की ने कहा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले और उसके बाद मध्य पूर्व एशिया में पैदा हुई अस्थिरता ने भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरियों को उजागर किया है। उन्होंने इस बात को लेकर केंद्र सरकार की विदेश नीति की विफलता बताकर कहा कि इसका सीधा असर देश में महंगाई और पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता पर पड़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री अंसारी ने भी केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना कर कहा कि जब राज्य के मंत्री ही पेट्रोलियम संकट और गैस की कमी से जूझ रहे हैं, तब आम जनता की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की नीतियों ने देश को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है जहां लोगों को बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। वहीं विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने सत्तापक्ष के आरोपों को खारिज कर कहा कि गैस की किल्लत का मुद्दा केवल राजनीतिक लाभ के लिए उठाया जा रहा है। जेडीयू नेता सरयू राय ने भी दावा किया कि सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को सिलेंडर मिल रहे हैं। सदन में लगातार हंगामे और नारेबाजी के बाद स्पीकर के हस्तक्षेप से स्थिति शांत हुई, लेकिन गैस सिलेंडर की किल्लत और महंगाई का मुद्दा पूरे दिन विधानसभा में छाया रहा।

एनएचएम, झारखंड कर्मियों के मानदेय विसंगति के निराकरण का मामला विधानसभा में उठा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), झारखंड के अंतर्गत कार्यरत कर्मियों के मानदेय विसंगति के निराकरण का मामला विस में उठा।विधायक दशरथ गागराई ने तारांकित प्रश्न के जरिये इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अंतर्गत कार्यरत कर्मियों के मानदेय विसंगति के निराकरण हेतु अभियान निदेशक की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया था।परंतु अब तक इसका निराकरण नहीं की गयी है। उन्होंने पुछा कि क्या सरकार मानदेय विसंगति के निराकरण का विचार रखती है ? इस पर स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से लिखित उत्तर में कहा गया कि भारत सरकार के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), झारखंड के अंतर्गत कार्यरत कर्मियों हेतु एचआर पॉलिसी बनाने का कार्य प्रक्रियाधीन है।एचआर पॉलिसी मेंमानव संसाधन संबंधी कार्य यथा अवकाश, शिकायत निवारण मानदेय विसंगति के निराकरण इत्यादी के संबंधित नियमों को समावेशित किया जा रहा है।उक्त एसआर पॉलिसी पर भारत सरकार के अनुमोदन उपरांत उसमें समावेशित नियमों के आलोक में कर्मियों के मांगो/र्शिकायतों पर निर्णय लिया जाना है।खरसावां विधायक दशरथ गागराई ने खरसावां प्रखंड के छोटाबांबो से पदमपुर तक के सड़क को आरसीडी पथ में अपग्रेड करने की मांग की। शुक्रवार को विधानसभा में शून्यकाल के दौरान उन्होंने इस मुद्दे को उठाया। सरायकेला-खरसावां जिले के खरसावां प्रखंड के छोटाबांबो से खरसावां भाया बलियाटांड, गितिलता, जामडीह, चिरुडीह, छोटाचाकड़ी, दलाईकेला, पदमपुर पथ ग्रामीण कार्य विभाग के अधीन है।इस पथ को पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित कर आरसीडी पथ में अपग्रेड करने की आवश्यकता है। विधायक दशरथ गागराई ने सदन के माध्यम से सरकार से इस पथ को आरसीडी में अपग्रेड करने की मांग की।

गया जंक्शनः सुरक्षा व्यवस्था का एनएसजी व आईबी की टीम ने लिया जायजा

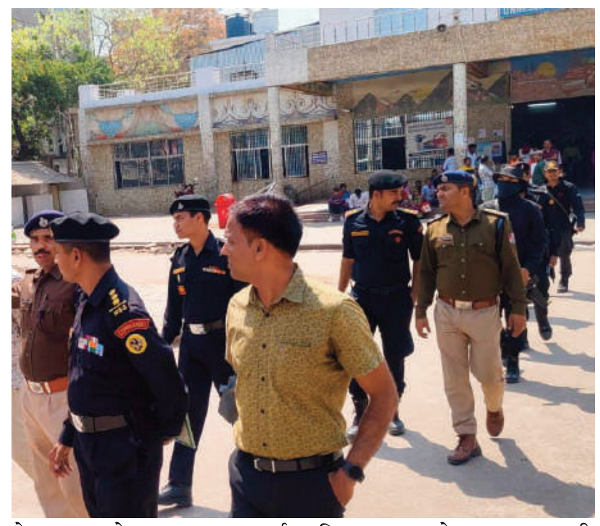

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर संभावित आतंकवादी खतरे और आपदा की स्थिति में प्रभावी कार्रवाई को लेकर शुक्रवार को एनएसजी और आईबी की संयुक्त टीम ने सुरक्षा व्यवस्था का रैकी के तहत विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेशन परिसर की सुरक्षा तैयारियों का आकलन किया गया। निरीक्षण में एटीएस पटना, एटीएस गया, आरपीएफ, जीआरपी तथा रेल कंस्ट्रक्शन विभाग की आधिकारिक टीम भी मौजूद रही। सभी एजेंसियों ने मिलकर स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को परखा और विभिन्न पहलुओं की गहन समीक्षा की। एनएसजी, आईबी की टीम ने गया जंक्शन के पावर स्टेशन, वाटर सप्लाई सेंटर और ट्रेन परिचालन केंद्र समेत कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थलों का जायजा लिया। इसके साथ ही प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, सकुर्लेटिंग एरिया, प्रवेश एवं निकास द्वार, टिकट काउंटर, पार्किंग क्षेत्र और रेलवे यार्ड जैसे स्थानों का भी गहन निरीक्षण किया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने इन स्थानों पर मौजूद सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण करते हुए संभावित जोखिमों का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की भी जांच की। इसके अलावा बैगेज स्कैनिंग सिस्टम, आपातकालीन निकासी मार्ग, भीड़ नियंत्रण व्यवस्था तथा सुरक्षा बलों की तैनाती का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों की सुरक्षा के लिए सभी तकनीकी और मानवीय संसाधन पूरी तरह सक्रिय और प्रभावी रहें।

मेडिकल की तैयारी कर रहे छात्र ने फांसी लगा की आत्महत्या

डेहरी आन सोन,: रोहतास जिले में डेहरी नगर थाना क्षेत्र के घनटोलिया मोहल्ला में शुक्रवार को एक मेडिकल के छात्र ने पंखे से लटक कर आत्महत्या कर लिया।

पुलिस के अनुसार धनटोलिया मोहल्ला निवासी रमन सिंह के मकान में लगभग 3 वर्ष से किराए पर रह रहे मेडिकल कि तैयारी करने वाले छात्र अंकित शेखर 19 वर्ष ने डिप्रेशन में आकर पंखे से लटक अपनी जीवन लीला समाप्त कर दिया।

आत्महत्या की घटना के बाद मृतक अंकित शेखर की मां मिनाक्षी वर्मा ने सीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों घर में घुसे तो पता चला कि अंकित काफी देरी से दरवाजा बंद कर अंदर है जो आवाज नहीं दे रहा है। जिसके बाद मोहल्ले के लोगों ने दरवाजा तोड़ कर पंखे से लटके युवक के शव को नीचे उतार जैसे तैसे शंकर हॉस्पिटल ट्रॉमा एनालिसिस सेंटर ले गए। जहां डॉक्टरों ने अंकित शेखर को मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना पर पहुंचे नगर थानाध्यक्ष शिवेंद्र कुमार ने जिला विधि विज्ञान प्रयोगशाला टीम को घटना की सूचना दिया। जिसके बाद घटनास्थल पर पहुंचे जिला विधि विज्ञान प्रयोगशाला के जिला पदाधिकारी प्रभात कुमार ने मृतक छात्र अंकित शेखर कि कमरे में रखे मोबाइल, टैब, किताब आदि सामान की जांच और वीडियो रिकॉर्डिंग किया साथ ही छात्र के मोबाइल एवं टैब कि जांच किया जिसमें पता चला कि छात्र लंबे समय से डिप्रेशन का दवाई का सेवन करता था।

मृतक छात्र के पिता अमित कुमार करवनदिया रेलवे स्टेशन पर स्टेशन मास्टर के पद पर कार्यरत हैं,जो घटना के वक्त पटना में थे वहीं माँ मीनाक्षी वर्मा बाथरूम में स्नान कर रही थी तभी छात्र ने घटना को अंजाम दिया। मृतक छात्रा का भाई पटना में रहकर पढ़ाई करता है। वहीं घटना से मोहल्ले में मातम परसर गया। मृतक छात्र की मां मेकांक्षी वर्मा का रो-रोकर बुरा हाल है।

संक्षिप्त खबरें

अपने जन्मदिन पर आदित्येश शौर्य ने किया पौधारोपण

गुरुआ (गया जी) (एजेंसी) : गुरुआ प्रखंड के नसेर गांव में एक अनोखी पहल देखने को मिली है।जब छः वर्षीय आदित्येश शौर्य ने अपने जन्मदिन के अवसर पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने अमरूद और महोगनी के दर्जनों पौधे लगाए।

आदित्येश शौर्य ने बताया कि वह हर वर्ष अपने जन्मदिन के मौके पर अपने गांव में पौधारोपण करते हैं। इस बार भी जन्मदिन के अवसर पर वह पटना से अपने गांव नसेर पहुंचे और पौधे लगाकर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।आदित्येश शौर्य पटना स्थित ग्रीन लैंड इंटरनेशनल स्कूल के प्रथम कक्षा के छात्र हैं। उनके पिता रंजीत रंजन, निर्वाचन विभाग, बिहार , पटना में जन संपर्क पदाधिकारी हैं। आदित्येश अपने पिता से प्रेरित होकर पौधारोपण करते हैं। रंजीत रंजन ने भी गुरुआ और आसपास के क्षेत्रों में हजारों पौधे लगाए हैं, जो अब बड़े पेड़ों का रूप ले चुके हैं। इसी से प्रेरित होकर आदित्येश भी हर साल पौधे लगाते हैं।इस मौके पर रंजीत रंजन, पूर्व मुखिया गोपाल प्रसाद, समाजसेविका राधा देवी, रीना कुमारी, श्रेया सुमन, प्रियदर्शी कुमार और सुधांशु कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

छपरा-बरौनी-कटिहार के रास्ते
काठगोदाम व ठाकुरनगर के बीच मध्य स्पेशल ट्रेन का होगा परिचालन

हाजीपुर(एजेंसी) : लखनऊ-गोरखपुर-छपरा-हाजीपुर-शाहपुर पटोरी-बरौनी-कटिहार के रास्ते काठगोदाम और ठाकुरनगर के मध्य एक स्पेशल ट्रेन 05030/05029 का परिचालन किया जाएगा ।

गाड़ी सं. 05030 काठगोदाम-ठाकुरनगर स्पेशल दिनांक 15.03.2026 रविवार को काठगोदाम से 10.00 बजे खुलकर सोमवार को 02.05 बजे छपरा, 05.15 बजे बरौनी, 08.45 बजे कटिहार सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 20.40 बजे ठाकुरनगर पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी सं. 05029 ठाकुरनगर-काठगोदाम स्पेशल दिनांक 18.03.2026 बुधवार को ठाकुरनगर से 10.20 बजे खुलकर 22.20 बजे कटिहार, गुरूवार को 01.15 बजे बरौनी एवं 05.15 बजे छपरा सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 23.30 बजे काठगोदाम पहुंचेगी ।

छपरा-बरौनी-कटिहार के रास्ते काठगोदाम और ठाकुरनगर के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर, (एजेंसी) : लखनऊ-गोरखपुर-छपरा-हाजीपुर-शाहपुर पटोरी-बरौनी-कटिहार के रास्ते काठगोदाम और ठाकुरनगर के मध्य एक स्पेशल ट्रेन 05030/05029 का परिचालन किया जाएगा। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि गाड़ी सं. 05030 काठगोदाम-ठाकुरनगर स्पेशल रविवार दिनांक 15 मार्च को काठगोदाम से 10.00 बजे खुलकर सोमवार को 02.05 बजे छपरा, 05.15 बजे बरौनी, 08.45 बजे कटिहार सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 20.40 बजे ठाकुरनगर पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी सं. 05029 ठाकुरनगर-काठगोदाम स्पेशल बुधवार दिनांक 18 मार्च को ठाकुरनगर से 10.20 बजे खुलकर 22.20 बजे कटिहार, गुरूवार को 01.15 बजे बरौनी एवं 05.15 बजे छपरा सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 23.30 बजे काठगोदाम पहुंचेगी।

बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

पटना (एजेंसी) : बिहार विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद एहतियातन परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस के साथ बम स्क्वायड डॉग स्क्वायड की टीम कैंपस में पहुंचकर तलाशी ले रही है। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि, मेल के जरिए धमकी आई है। फिलहाल, इसकी छानबीन हो रही है। बिहार विधान सभा सचिवालय की ओर से बताया गया कि, आज बिहार विधान सभा को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक ई मेल प्राप्त हुआ। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने तुरंत इस पर संज्ञान लेते हुए सभा सचिवालय के वरीय पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की। अध्यक्ष ने ख्याति सिंह, प्रभारी सचिव को निर्देश दिया कि वो मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक को इस बात की जानकारी देकर विधान सभा परिसर की सुरक्षा दृष्टिकोण से शीघ्र जांच कराएं।

भामती वाचस्पति महोत्सव का आयोजन 15-16 मार्च को

मधुबनी, (एजेंसी) : कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार एवं जिला प्रशासन, मधुबनी के संयुक्त तत्वावधान में भामती वाचस्पति महोत्सव 15-16 मार्च को आयोजित किया जायेगा। विदित हो कि मिथिला के महान दार्शनिक पंडित वाचस्पति मिश्र को समर्पित भामती वाचस्पति महोत्सव का आयोजन प्राथमिक विद्यालय, विष्णुपूरा बेलहा महार, ठाढ़ी अंधराठाढ़ी, के प्रांगण में दिनांक 15 एवं 16 को होगा। इस महोत्सव में मिथिला की समृद्ध ज्ञान-परंपरा, साहित्य, संस्कृति एवं दर्शन से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। 15 मार्च को प्रसिद्ध मैथिली गायिका, रंजना झा एवं मैथिली भजन गायक अरविन्द सिंह की प्रस्तुति होगी।

वही पंचनाद क्लासिकल फ्यूजन बैण्ड, नेहा कुमारी एवं समूह ओडिसी नृत्य, प्रिया कुमारी एवं समूह लोक नृत्य, प्राचि झा गायिका, डेजी ठाकुर गायिका, आनन्द मोहन झा उद्धोषक, तनमय नाग गायक, वर्षा झा मैथिली गायिका के द्वारा भी प्रस्तुति दी जायेगी। 16 मार्च को प्रसिद्ध मैथिली गायिका, पूनम मिश्रा के द्वारा सुमधुर गीतों की प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया जायेगा तथा रवि शंकर मिश्रा एवं समूह ताल कचहरी, सर्वश्रेष्ठ मिश्रा का शास्त्रीय गायक, जय प्रकाश नारायण पाठक कथक एवं ओडीसी नृत्य, लोक कला कुम्भ समूह लोक नृत्य,कुन्दन कुमार गायक, अक्षय आनन्द उद्धोषक के द्वारा भी अपने-अपनी कला की प्रस्तुति दी जायेगी।

नवरात्रि मेला के अवसर पर
मैहर स्टेशन पर 05 जोड़ी ट्रेनों का होगा अस्थायी ठहराव

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

हाजीपुर :नवरात्रि मेला के अवसर पर रेलवे प्रशासन द्वारा श्रद्धालु यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित ट्रेनों का 05 मिनट का अस्थाई ठहराव मैहर स्टेशन पर प्रदान किया गया है। वलसाड से 21 मार्च से 28 मार्च, 2026 तक खुलने वाली 19051 वलसाड-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर 15.05 बजे पहुँच कर 15.10 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।मुजफ्फरपुर से 23 मार्च से 30 मार्च, 2026 तक खुलने वाली 19052 मुजफ्फरपुर-वलसाड एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर 11.40 बजे पहुँच कर 11.45 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनल, कोल्हापुर से 20 मार्च से 27 मार्च, 2026 तक खुलने वाली 11045 छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनल,कोल्हापुर-धनबाद एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर 17.20 बजे पहुँच कर 17.25 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।धनबाद से 23 मार्च से 30 मार्च, 2026 तक खुलने वाली 11046 धनबाद-छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनल, कोल्हापुर एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर 22.25 बजे पहुँच कर 22.30 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। रक्सौल से 21 मार्च से 28 मार्च, 2026 तक खुलने वाली 15267 रक्सौल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर 11.25 बजे पहुँच कर 11.30 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 23 मार्च से 30 मार्च, 2026 तक खुलने वाली 15268 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रक्सौल एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर 10.40 बजे पहुँच कर 10.45 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।पूर्णा जं. से 19 मार्च से 26 मार्च, 2026 तक खुलने वाली 17610 पूर्णा जं.-पटना एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर 10.40 बजे पहुँच कर 10.45 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।पटना से 21 मार्च से 28 मार्च, 2026 तक खुलने वाली 17609 पटना-पूर्णा जं. एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर 17.15 बजे पहुँच कर 17.20 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। पटना से 18 मार्च से 30 मार्च, 2026 तक खुलने वाली 22972 पटना-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर 08.15 बजे पहुँच कर 08.20 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। बांद्रा टर्मिनस से 23 मार्च से 30 मार्च, 2026 तक खुलने वाली 22971 बांद्रा टर्मिनस-पटना एक्सप्रेस मैहर स्टेशन पर 15.05 बजे पहुँच कर 15.10 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।

फतेहपुर में नाबालिग स्कूली छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म, चार पर मुकदमा दर्ज

स्कूल से परीक्षा देकर घर लौटने के दौरान आरोपियों ने छात्रा को सुनसान जगह पर ले जाकर घटना को दिया अंजाम

पुलिस मामले की गंभीरता से कर रही जांच,फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर इकट्ठा की अहम साक्ष्य

फतेहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में गुरुवार की है यह घटना

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र में एक गांव में 13 वर्षीय एक नाबालिक छात्रा के साथ चार युवकों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। स्कूल से परीक्षा देकर घर लौटने के दौरान छात्रा को रास्ते से अगवा कर सुनसान जगह पर लेजाकर घटना को अंजाम देने की बात कही जा रही है। इस मामले में पीड़िता की मां के लिखित शिकायत पर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की काफी गंभीरता से जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटना स्थल से अहम साक्ष्य इकट्ठा की है। वहीं पीड़ित छात्रा का मेडिकल जांच और कोर्ट में बयान दर्ज कराई गई है। यह घटना फतेहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की बताई गई है।पीड़ित छात्रा की मां ने पुलिस को बताया कि उसकी 13 साल की नाबालिग बेटी गुरुवार को एक बजे दोपहर में सरकारी विद्यालय से परीक्षा देकर गांव के ही अपनी एक सहेली के साथ घर लौट रही थी। इसी समय रास्ते में आरोपियों उसकी बेटी के मुंह पर नशीला दवाई लगा गमछा रखकर उसे अगवाकर एक किलोमीटर दूर सुनसान जगह पर ले गया और बेहोशी की हालत उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। उसने बताया कि घटना की सूचना साथ रही उसकी बेटी की सहेली ने घर आकर उसे दी। इसके बाद वह परिजन के साथ बेटी को खोजने निकली। गांव से कुछ दूरी पर चार लड़का उसकी बेटी के साथ दिखा। उसे आते देख सभी लड़का वहां से भाग निकले। इसके बाद बेटी घर लाकर उससे पूछताछ करने पर उसने उसके साथ हुई सारी घटना की जानकारी दी। पीड़िता की मां ने बताया कि इसी बीच उसके पति एक आरोपित के घर गए जहां घटना के बारे पूछने पर उसके परिजनों ने उनके साथ हाथा पाई और गालीगलौज करने लगे। फिर तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दिया। पुलिस सूचना पाकर पहुंची और घटना की जानकारी ली। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि इस मामले में पीड़ित छात्रा की मां के लिखित आवेदन पर आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पीड़ित छात्रा का गया भेजकर मेडिकल जांच और कोर्ट में बयान दर्ज कराया गया है। मामले की काफी गंभीरता से जांच की जा रही है। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है। फारेंसिक टीम ने भी मामले की काफी गहनता से जांच की है और घटना स्थल से अहम साक्ष्य इकट्ठा कर जांच के लिए ले गई।

विकास योजनाओं में पारदर्शिता व गुणवत्ता पर दिया जाएगा विशेष ध्यान :विस अध्यक्ष

विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने कहा

गया जी (एजेंसी) :विकास योजनाओं में पारदर्शिता व गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। समीक्षा बैठक के बादबिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने यह जानकारी दिए। जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर की मौजूदगी में नगर निगम, बुडको तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री शहरी समग्र विकास योजना के तहत बुडको द्वारा कराए जा रहे कार्यों और गया टाउन विधानसभा क्षेत्र में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति व गुणवत्ता पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक के दौरान डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक योजना के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों की एक संयुक्त समिति गठित की जाए, जो संबंधित मोहल्लों के लोगों को योजनाओं के प्राक्कलन और कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराए। साथ ही उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भी विकास कार्यों की निगरानी करने और जागरूक रहने की अपील की, ताकि योजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जा सके।

शहर के सौंदर्यीकरण और नई योजनाओं पर भी हुई चर्चा

समीक्षा बैठक में गया शहर के मुख्य प्रवेश मार्गों पर भव्य स्वागत द्वार के निर्माण, शहर के प्रमुख पहाड़ों पर लेजर लाइट लगाने की योजना तथा जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत विभिन्न तालाबों के विकास और सौंदर्यीकरण को लेकर भी चर्चा की गई। इसके अलावा नगर निगम क्षेत्र के सभी पार्कों की समुचित देखरेख और रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि गया टाउन विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री शहरी समग्र विकास योजना (2024-25) के तहत कुल 78 योजनाएं शामिल की गई थीं, जिनमें से 26 योजनाओं का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष योजनाओं पर कार्य जारी है। वहीं मुख्यमंत्री शहरी समग्र विकास योजना (2025-26) के तहत कुल 52 योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमें से कुछ योजनाएं तकनीकी प्रक्रिया में हैं, जबकि कुछ पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए।

राजनगर-मोतीपुर-खैरा पथ के मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य की मिली प्रशासनिक स्वीकृति

मधुबनी, (एजेंसी) : मधुबनी जिले के पथ प्रमंडल विभाग राजनगर-मोतीपुर-खैरा पथ के मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण के निर्माण कार्य के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना से क्षेत्र में आवागमन को सुगम, सुरक्षित एवं तेज बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। जानकारी के अनुसार इस पथ की कुल लंबाई 12.50 किलोमीटर निर्धारित की गई है। इसके निर्माण कार्य के लिए लगभग 73.37 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना के तहत सड़क का सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण किया जाएगा, जिससे सड़क की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा यातायात अधिक सुरक्षित और सुचारु रूप से संचालित हो सकेगा। यह सड़क राजनगर, मोतीपुर, खैरा सहित आसपास के कई गांवों एवं बाजारों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। सड़क के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण से स्थानीय लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। इस परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र में परिवहन व्यवस्था अधिक व्यवस्थित होगी तथा लोगों को आवागमन में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी। राज्य सरकार द्वारा सड़क अवसंरचना के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित हो सके।

राज्य सरकार के पथ निर्माण विभाग द्वारा पथ प्रगति के संकल्प के साथ राज्य में सड़कों को सुदृढ़, सुरक्षित एवं आधुनिक बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन, मधुबनी ने उम्मीद जताई है कि इस सड़क परियोजना के क्रियान्वयन से क्षेत्र के लोगों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध होगी तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी।

सीएम नीतीश की समृद्धि यात्रा स्वर्णिम बिहार के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगी: उमेश सिंह कुशवाहा

पटना, (एजेंसी) : बिहार जद(यू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ऐतिहासिक ह्यसमृद्धि यात्राह्ण विकास के विजन को धरातल पर उतारने के साथ-साथ स्वर्णिम बिहार के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। मुख्यमंत्री द्वारा जिलावार जनता के बीच जाकर उनकी आवश्यकताओं से अवगत होना और उनकी समस्याओं से सीधे रूबरू होना जनसेवा आधारित संवेदनशील राजनीति का सशक्त एवं उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मा. मुख्यमंत्री प्रत्येक जिले में जाकर विकास योजनाओं का निरीक्षण कर रहे हैं तथा उनकी अद्यतन स्थिति का जायजा ले रहे हैं। साथ ही वे सभी जिलों को नई-नई विकास सौगातें भी दे रहे हैं। यह दशार्ता है कि वे बिहार को देश के टॉप-10 विकसित राज्यों में शामिल करने की दिशा में किस समर्पण, निष्ठा और तत्परता के साथ कार्य कर रहे हैं। श्री कुशवाहा ने बताया कि वर्ष 2005 में नीतीश कुमार ने पहली बार ह्यन्याय यात्राह्ण के माध्यम से जनता के बीच पहुँचकर उनकी समस्याओं को नजदीक से समझने का कार्य किया था। वर्ष 2005 से 2026 के बीच वे अब तक 15 राज्यव्यापी यात्राएँ कर चुके हैं और ह्यसमृद्धि यात्राह्ण के रूप में उनकी 16वीं यात्रा जारी है। यात्राओं की यह लंबी फेहरिस्त उनके जनकेंद्रित राजनीतिक दृष्टिकोण की स्पष्ट गवाही देती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में बिहार का हित हमेशा सर्वोपरि रहा है। यही कारण है कि देश-दुनिया उन्हें विकास पुरुष, ह्यसुशासन बाबूह्ण और ह्यनव बिहार के शिल्पकारह्ण जैसे विशेषणों से संबोधित करती रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देश की राजनीति में संभवतः यह एक अनोखा उदाहरण है कि कोई मुख्यमंत्री 16 बार सफल राज्यव्यापी यात्राएँ कर चुके हों। यही वजह है कि मुख्यमंत्री की विकास योजनाओं का लाभ बिहार के सुदूर गाँवों और समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँच रहा है। इससे आम लोगों का जीवन अधिक सुविधापूर्ण हुआ है और सूबे के विकास को नई दिशा और गति मिली है।

संपादकीय

गैस संकटः सरकार के दावे और जमीनी हकीकत?

देश के कई हिस्सों में रसोई गैस को लेकर जिस तरह की स्थिति सामने आ रही है, उसने आम जनता की चिंता बढ़ा दी है। लोगों के पास ना तो रसोई गैस है ना केरोसिन तेल है और ना ही लकड़ी उपलब्ध हो रही है। कई स्थानों पर तो बिजली सप्लाई भी नहीं हो पा रही है। ऐसे में घर में खाना बनाना सबसे मुश्किल काम हो गया है। एक ओर सरकार दावा कर रही है, देश में एलपीजी की कोई कमी नहीं है, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर के लिए लंबी कतारों में घंटों खड़े रहना पड़ रहा है। देश के सैकड़ो स्थान से इस बात के वीडियो और फोटो समाचार पत्रों, न्यूज चैनल्स और सोशल मीडिया में प्रदर्शित हो रहे हैं। कई स्थानों पर डीलर खुले तौर पर कह रहे हैं, उनके पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध नहीं है। पिछले कई दिनों से गैस की बुकिंग और सप्लाई बंद है। यह विरोधाभास केवल प्रशासनिक, नीतिगत और व्यवस्था की समस्या नहीं है वरन उन करोड़ों लोगों की समस्या है जिनके घर पर ना तो चाय बन पा रही है ना खाना बन पा रहा है। जो सरकार के दावों की हकीकत को उजागर कर रहा है। भारत में घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों– इंडियन आयल कारपोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के माध्यम से की जाती है। इसके अलावा निजी गैस कंपनियां भी गैस सप्लाई करती हैं लेकिन सभी कंपनियों की गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है। सरकार का तर्क है, इन कंपनियों के पास पर्याप्त भंडार है। वितरण प्रणाली सामान्य रूप से चल रही है, पर वास्तविकता में उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे है। 1800 से 2000 रुपए में एलपीजी का घरेलू गैस सिलेंडर कालाबाजारी से मिल रहा है। वही कमर्शियल गैस सिलेंडर 4000 रुपये तक में बिक रहा है। सरकार इसे वितरण तंत्र की गंभीर खामी बताकर पल्ला झाड़ रही है। जमीनी स्तर पर डीलरों का कहना है, उन्हें कंपनियों से समय पर पर्याप्त संख्या में सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। पोर्टल ठीक तरीके से काम नहीं कर रहा है। गैस डीलर भी जिस माध्यम से बुकिंग करते हैं उसका भी पोर्टल बार-बार या तो धीमा हो जाता है या बंद हो जाता है। जिसके कारण वह उपभोक्ताओं की मांग को पूरी नहीं कर पा रहे हैं। बुकिंग के बाद भी उपभोक्ताओं को कई दिनों तक सिलेंडर का इंतजार करना पड़ रहा है। जिसके कारण करोड़ों घर में खाना बनाना मुश्किल हो गया है।

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।
: तुलसीदास

सज्जन पुरुष बादलों के समान देने के लिए ही कोई वस्तु ग्रहण करते हैं।
: कालिदास

सूडोकु नवताल- 7450

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7449 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

दैनिक पंचांग

14 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.16 बजे से
चंद्र	मकर में	मेष	07.47 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.27 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.25 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.38 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.54 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.06 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.17 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.32 ब.से
		धनु	00.48 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	मकर	02.53 बजे से
		कुंभ	04.39 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 73 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 08.11 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 04.49 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** वरीयान 10.43 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 08.11 बजे तदनन्तर बव 20.49 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 02° 37' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872648 **जूलियन दिन** 2461113.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 24 **विशेष** कारादाइयन नौम्बू।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से 07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक	
चर	11.46 से 01.14 बजे तक		चर	11.47 से 01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक		रोग	01.19 से 02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक		काल	02.51 से 04.23 बजे तक	
काल	04.10 से 05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स का गिरना: क्या अर्थतंत्र में महासंकट के संकेत?

वैश्विक अर्थव्यवस्था में जब भी ऊर्जा संकट गहराता है, उसका सीधा असर वित्तीय बाजारों और आम लोगों की जेब पर दिखाई देता है। हाल के दिनों में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी तथा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक गिरावट की ओर गया है। यह गिरावट केवल बाजार की सामान्य हलचल नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़े संभावित बड़े संकट का संकेत भी हो सकती है। वहीं जब मैं इस लेख को लिख रहा हूं तो सेंसेक्स और निफ्टी काफी हद तक गिर चुका है। ऐसे में सरकार के कहने के बावजूद जनमानस इस युद्व के बीच ऊर्जा का भंडार भरकर रखना चाहता है, यह युद्व क्या पटकथा लिखेगा कोई नहीं जानता क्योंकि रुस-युक्रेन युद्व भी अभी तक समाप्त नहीं हुआ।

भारत जैसे देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयातित तेल और गैस पर निर्भर है। जब वैश्विक स्तर पर तेल-गैस की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो उसका असर सीधे महंगाई, उत्पादन लागत और व्यापार संतुलन पर पड़ता है। उद्योगों की लागत बढ़ती है, परिवहन महंगा होता है और अंततः इसका बोझ आम उपभोक्ता तक पहुंचता है। निवेशकों को भी यह संकेत मिलता है कि आने वाले समय में कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है।

शेयर बाजार का गिरना इसी चिंता का प्रतिबिंब है। निवेशक भविष्य की आशंकाओं को देखते हुए बाजार से पैसा निकालने लगते हैं। विदेशी निवेशक भी जोखिम से बचने के लिए उभरते बाजारों से पूंजी निकालते हैं, जिससे बाजार में गिरावट और तेज हो जाती है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास की गति पर पड़ सकता है।

ऊर्जा संकट का दूसरा पहलू राजकोषीय दबाव भी है। सरकार को महंगाई नियंत्रित करने के लिए करों में कटौती, सब्सिडी या अन्य राहत उपाय देने पड़ सकते हैं। इससे सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ बढ़ता है। साथ ही यदि आयात बिल बढ़ता है तो चालू खाते का घाटा भी बढ़ सकता है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती बन जाता है।

हालांकि यह भी सच है कि शेयर बाजार हमेशा दीर्घकालिक आर्थिक स्थिति का सटीक दर्पण नहीं होता। कई बार वैश्विक परिस्थितियों, भू-राजनीतिक तनाव या निवेशकों की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया से भी बाजार अचानक गिर सकता है। इसलिए सेंसेक्स की गिरावट को तुरंत महा संकट मान लेना भी उचित नहीं होगा। लेकिन इसे एक चेतावनी संकेत जरूर माना जाना चाहिए।

ऐसे समय में सरकार और नीति-निमार्ताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की है। देश को तेल-गैस के आयात पर निर्भरता कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और रणनीतिक भंडार बढ़ाने जैसी नीतियों पर तेजी से काम करना होगा। साथ ही आर्थिक सुधारों और निवेश को बढ़ावा देकर बाजार का भरोसा बनाए रखना भी जरूरी है।

अंततः कहा जा सकता है कि तेल-गैस संकट के बीच सेंसेक्स की गिरावट केवल बाजार की घटना नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी चुनौतियों की याद दिलाती है। यदि समय रहते ठोस कदम उठाए जाएं तो यह संकट अवसर में भी बदल सकता है, लेकिन अगर इसे नजरअंदाज किया गया तो इसके गंभीर आर्थिक परिणाम सामने आ सकते हैं।

निवेशक दोहरी दुविधा में

वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिस्थितियों के बीच आज निवेशक एक कठिन दौर से गुजर रहा है। बाजार में अनिश्चितता, अंतरराष्ट्रीय तनाव और महंगाई के दबाव ने निवेशकों को दोहरी दुविधा में डाल दिया है। एक ओर शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षित निवेश विकल्प भी अपेक्षित रिटर्न नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि निवेशक अपने धन को कहाँ और कैसे सुरक्षित रखें।

हाल के समय में वैश्विक स्तर पर कई घटनाएँ आर्थिक बाजारों को प्रभावित कर रही हैं। तेल-गैस की कीमतों में अस्थिरता, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों में बदलाव का असर भारत सहित दुनिया के शेयर बाजारों पर दिखाई दे रहा है। जब भी वैश्विक स्तर पर संकट गहराता है, निवेशक जोखिम से बचने के लिए सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख करते हैं। लेकिन वर्तमान स्थिति में सुरक्षित निवेश भी बहुत आकर्षक नहीं दिख रहा।

दूसरी ओर घरेलू स्तर पर भी निवेशकों के सामने कई सवाल खड़े हैं। महंगाई की दर में उतार-चढ़ाव, ब्याज दरों की अनिश्चितता और कंपनियों के भविष्य को लेकर आशंकाएँ निवेशकों को निर्णय लेने में कठिनाई पैदा कर रही हैं। शेयर बाजार में निवेश करने पर जोखिम अधिक है, जबकि बैंक जमा या अन्य सुरक्षित विकल्पों में रिटर्न सीमित है। यही कारण है कि निवेशक समझ नहीं पा रहे कि जोखिम उठाकर बाजार में बने रहें या सुरक्षित विकल्पों में पैसा लगाएँ।

निवेशकों की यह दुविधा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। बाजार की अस्थिरता के कारण कई छोटे निवेशक घबराकर अपने निवेश को निकाल लेते हैं, जिससे बाजार में और अधिक गिरावट देखने को मिलती है। वहीं कुछ अनुभवी निवेशक इसे अवसर के रूप में देखते हैं और गिरते बाजार में निवेश बढ़ाते हैं।

ऐसी स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण है संतुलित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशकों को घबराहट में निर्णय लेने के बजाय अपने निवेश को विविध क्षेत्रों में बांटना चाहिए और लंबी अवधि की रणनीति अपनानी चाहिए। इससे जोखिम कम किया जा सकता है और बाजार की अस्थिरता का प्रभाव भी सीमित किया जा सकता है।

सरकार और नियामक संस्थाओं की भी जिम्मेदारी है कि वे आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। पारदर्शी नीतियाँ, निवेश के अनुकूल वातावरण और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देकर निवेशकों का भरोसा मजबूत किया जा सकता है।

यह कहा जा सकता है कि वर्तमान समय निवेशकों के लिए परीक्षा का दौर है। दोहरी दुविधा के बीच सही निर्णय वही होगा जो धैर्य, समझ और दीर्घकालिक सोच पर आधारित हो। अगर निवेशक संतुलित रणनीति अपनाते हैं, तो अस्थिर बाजार भी भविष्य के अवसरों में बदल सकता है।

तेल-गैस संकट से कैसे मिले निजात?

विश्व राजनीति और ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितता ने एक बार फिर तेल-गैस संकट की आशंका को गहरा कर दिया है। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव, आपूर्ति में रुकावट और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देश पर पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए जब भी वैश्विक स्तर पर संकट पैदा होता है, उसका दबाव देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग और आम उपभोक्ता पर साफ दिखाई देता है।तेल और गैस केवल ईंधन नहीं, बल्कि आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। परिवहन, बिजली उत्पादन, उद्योग और घरेलू उपयोग–हर क्षेत्र इन पर निर्भर है। जब इनकी कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति कम होती है, तो महंगाई बढ़ती है, उत्पादन लागत बढ़ती है और आर्थिक विकास की गति भी प्रभावित होती है। इसलिए यह केवल ऊर्जा संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी बन जाता है।इस संकट से निपटने के लिए सरकार को बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले, ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण जरूरी है। भारत को केवल कुछ सीमित देशों पर निर्भर रहने के बजाय अलग-अलग क्षेत्रों से तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। दीर्घकालिक समझौते और रणनीतिक भंडारण भी आपूर्ति सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम वैकल्पिक और नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे स्रोत भविष्य में तेल-गैस पर निर्भरता कम कर सकते हैं। भारत ने इस दिशा में कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन इसे और तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता है।तीसरा, ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। उद्योगों, वाहनों और घरेलू उपयोग में ऊर्जा की बचत से खपत कम की जा सकती है। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन और सार्वजनिक परिवहन का विस्तार भी तेल की मांग घटाने में मदद कर सकता है। तेल-गैस संकट हमें यह याद दिलाता है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आयात से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक नीति, तकनीकी नवाचार और आत्मनिर्भरता से ही सुनिश्चित हो सकती है। यदि भारत समय रहते सही कदम उठाता है, तो वह न केवल इस संकट से उबर सकता है, बल्कि भविष्य की ऊर्जा चुनौतियों का भी मजबूती से सामना कर सकता है।

सौरभ वार्ष्णेय

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

इच्छा मृत्यु केवल कानून ही नहीं, मानवीय गरिमा का प्रश्न

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए?

इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए।इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे-धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए ह्यलिविंग विलह्न की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए।हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है।

इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है-जीवन के अंतिम चरण में धीरे-धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है-जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वायत्तता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं।

ललित गर्ग

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

वैश्विक युद्धोन्माद के बीच विश्व शांति की पुकार

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद वह स्थान है जहां जनता से जुड़े हर बड़े मुद्दे पर गंभीर और जिम्मेदार चर्चा होनी चाहिए लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि हाल के वर्षों में विपक्ष की राजनीति का एक बड़ा हिस्सा केवल हंगामा और अफवाह फैलाने तक सीमित होता जा रहा है। एलपीजी सिलेंडर को लेकर संसद के बाहर हुई नारेबाजी और आरोपों की बौछार इसी प्रवृत्ति का उदाहरण है।

हाल ही में संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने नारे लगाए कि नरेंदर भी गायब और सिलेंडर भी गायब इस तरह के नारे सुनने में भले ही आकर्षक लगते हों लेकिन यह देश की वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं हैं बल्कि यह केवल राजनीतिक माहौल को गरमाने की कोशिश भर है ।जनता यह समझती है कि देश की ऊर्जा जरूरतों और वैश्विक परिस्थितियों जैसे गंभीर विषयों को केवल नारेबाजी से नहीं, बल्कि ठोस नीति और विवेकपूर्ण चर्चा से हल किया जा सकता है।

नेता विपक्ष राहुल गांधी ने यह दावा किया कि आने वाले समय में ईंधन का बड़ा संकट पैदा हो सकता है और इसके लिए उन्होंने सरकार की विदेश नीति को जिम्मेदार ठहराया लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि वर्तमान समय में पूरी दुनिया ऊर्जा आपूर्ति की चुनौतियों से जूझ रही है ,पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी स्थिति ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। ऐसे में किसी एक देश की सरकार को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराना वास्तविकता से दूर और राजनीतिक बयानबाजी ज्यादा प्रतीत होता है ।भारत जैसे विशाल देश की ऊर्जा जरूरतें बहुत बड़ी हैं और इन्हें पूरा करने के लिए सरकार को कई स्तरों पर लगातार प्रयास करने पड़ते हैं ।पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। विभिन्न देशों के साथ दीर्घकालिक समझौते किए गए हैं। आपूर्ति के नए स्रोत तलाशे गए हैं और वैकल्पिक ऊर्जा पर भी बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है। सौर ऊर्जा हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है ताकि भविष्य में ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता बढ़ सके।

इसके बावजूद विपक्ष लगातार यह माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है कि देश किसी बड़े संकट की ओर बढ़ रहा है ।संसद में चर्चा से पहले ही सड़क और संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर देना यह दिखाता है कि विपक्ष का उद्देश्य समाधान निकालना नहीं बल्कि डर का वातावरण बनाना है। लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार है लेकिन जब सवाल तथ्यों के बजाय आशंकाओं और अफवाहों पर आधारित हों तो वह राजनीति से ज्यादा भ्रम फैलाने का माध्यम बन जाते हैं।

एलपीजी को लेकर भी यही स्थिति देखने को मिली। कुछ स्थानों पर लंबी कतारों की खबरें सामने आईं तो उसे तुरंत राष्ट्रीय संकट के रूप में पेश किया जाने लगा जबकि सरकार और कई जनप्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि देश में एलपीजी की वास्तविक कमी नहीं है। कई जगह लोगों ने घबराहट में जरूरत से ज्यादा सिलेंडर जमा करने शुरू कर दिए जिससे अस्थायी दबाव की स्थिति बन गई।

जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने भी यही बात कही कि कई लोग एक साथ चार चार सिलेंडर घर में जमा कर रहे हैं जिससे कृत्रिम कमी का माहौल बन रहा है यह स्थिति तब और ज्यादा गंभीर हो जाती है जब राजनीतिक बयानबाजी के कारण लोगों के मन में डर बैठ जाता है और वे जरूरत से अधिक सामान खरीदने लगते हैं ।विपक्ष को यह समझना चाहिए कि देश की जनता अब पहले से अधिक जागरूक है वह केवल आरोप और नारे सुनकर निर्णय नहीं करती बल्कि यह भी देखती है कि कौन जिम्मेदारी से बात कर रहा है और कौन केवल माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है ।जब देश अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से जूझ रहा हो तब राजनीतिक दलों से अपेक्षा की जाती है कि वे संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें ।सरकार ने स्पष्ट कहा है कि इस मुद्दे पर संसद में विस्तृत चर्चा होगी और पेट्रोलियम मंत्री हरदेवसिंह पूरी सदन में स्थिति स्पष्ट करेंगे लोकतंत्र में यही उचित तरीका है कि गंभीर मुद्दों पर संसद के भीतर तथ्य और आंकड़ों के साथ बहस हो लेकिन विपक्ष ने पहले से ही संकट का वातावरण बनाकर यह संदेश देने की कोशिश की कि देश किसी बड़े खतरे में है।

यह भी याद रखना चाहिए कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई वैश्विक संकटों का सामना सफलतापूर्वक किया है। महामारी का कठिन दौर हो या वैश्विक आर्थिक अस्थिरता हर बार देश ने धैर्य और मजबूत नेतृत्व के बल पर चुनौतियों को पार किया है ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी कई दीर्घकालिक योजनाएं शुरू की हैं ।जिनका उद्देश्य आने वाले वर्षों में देश को अधिक सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है।

आज भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में देश को स्थिरता और विश्वास की आवश्यकता है लेकिन जब विपक्ष बार बार संकट और असफलता की कहानी गढ़ने की कोशिश करता है तो उससे देश की छवि और जनता का मनोबल दोनों प्रभावित होते हैं ।संसद में स्वस्थ बहस लोकतंत्र की ताकत होती है लेकिन जब बहस के स्थान पर हंगामा और अफवाह को प्राथमिकता दी जाती है तो लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा भी प्रभावित होती है। जनता यह अपेक्षा करती है कि उसके प्रतिनिधि संसद में गंभीरता से मुद्दों पर चर्चा करें और समाधान खोजें न कि केवल नारेबाजी करके सुर्खियां बटोरें।

एलपीजी को लेकर उठे इस विवाद ने एक बार फिर यह दिखा दिया है कि विपक्ष की राजनीति का बड़ा हिस्सा अब भी अफवाह और आशंका पर आधारित है जबकि देश को ऐसी राजनीति की आवश्यकता है जो समाधान और सहयोग की दिशा में आगे बढ़े। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है लेकिन असहमति जिम्मेदारी के साथ होनी चाहिए।

यदि विपक्ष वास्तव में जनता की चिंता करता है तो उसे संसद के भीतर तथ्य आधारित चर्चा करनी चाहिए और सरकार से जवाब मांगना चाहिए लेकिन बिना पूरी जानकारी के संकट का माहौल बनाना और लोगों के मन में डर पैदा करना यह केवल राजनीतिक लाभ के लिए किया गया प्रयास माना जाएगा।भारत की जनता यह भली भांति समझती है कि देश की चुनौतियों का समाधान नारेबाजी से नहीं बल्कि धैर्य नीति और सहयोग से निकलता है और यही लोकतंत्र की असली ताकत भी है।

कांतिलाल मांडोत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

मणिपुरी महिला पर हमला मामले में दिल्ली पुलिस आयुक्त को एनएचआरसी का नोटिस

नई दिल्ली, (एजेंसी) : मणिपुर की एक महिला पर दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में लड़कों के एक समूह की ओर से कथित हमले का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

आयोग ने बताया कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 8 मार्च को यह घटना तब घटी जब पीड़िता (मणिपुर की एक महिला) इलाके के एक पार्क में अपनी दोस्त के साथ तस्वीरें ले रही थी। उसी दौरान दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में लड़कों के एक समूह ने पीड़िता पर अश्लील और नस्लीय टिप्पणी की जिसका उन्होंने विरोध किया लेकिन लड़कों के समूह ने उस महिला पर शारीरिक हमला कर दिया।

आयोग ने रिपोर्ट में पीड़ित के स्वास्थ्य की स्थिति और जांच की प्रगति का विवरण भी शामिल करने को कहा है।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड ने दिए दो चूजों को जन्म, भूपेन्द्र यादव ने राजस्थान वन विभाग को दी बधाई

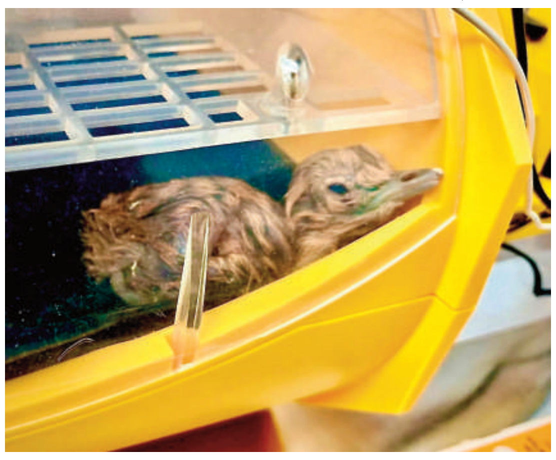

नई दिल्ली, (एजेंसी) : ग्रेट इंडियन बस्टर्ड कैप्टिव ब्रीडिंग प्रोग्राम परियोजना में एक बड़ी कामयाबी मिली है। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड ने दो चूजों को जन्म दिया है। इस परियोजना के चौथे वर्ष में दो नए मेहमानों के साथ इनकी संख्या 70 हो गई है। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के दो चूजों के जन्म पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने राजस्थान वन विभाग को बधाई दी है।

भूपेन्द्र यादव ने एक्स पर तस्वीरों के साथ साझा किए गए अपने संदेश में कहा कि प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआईबी) ने अपने कैप्टिव ब्रीडिंग प्रोग्राम के चौथे वर्ष में प्रवेश कर लिया है। इस सप्ताह राजस्थान के संरक्षण प्रजनन केंद्र में दो नए चूजों के जन्म के साथ, कैप्टिव अवस्था में पक्षियों की संख्या 70 हो गई है। यादव ने कहा कि प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी के पर्यावरण के प्रति संवेदनशील नेतृत्व में देश इस परियोजना को बड़ी सफलता दिलाने की दिशा में सही राह पर है।

उन्होंने कहा कि ग्रेट इंडियन बस्टर्ड कैप्टिव ब्रीडिंग प्रोग्राम परियोजना के तहत हासिल की गई यह एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यादव ने कहा कि राजस्थान के कैप्टिव ब्रीडिंग केंद्र में इस सप्ताह दो चूजों का जन्म हुआ, जिनमें से एक प्राकृतिक प्रजनन से और दूसरा कृत्रिम गभार्धान से पैदा हुआ है। यादव ने इसे प्रजाति के संरक्षण प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस वर्ष पाले गए कुछ चूजों को जंगल में धीरे-धीरे छोड़ा जाएगा, जो इस परियोजना के लिए एक नई चुनौतीपूर्ण शुरूआत है।

उल्लेखनीय है कि ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (अर्डियोटिस नाइग्रिसेप्स) राजस्थान का राज्य पक्षी है। यह भारत का सबसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त पक्षी माना जाता है। यह विश्व स्तर पर उड़ने वाले सबसे भारी पक्षियों में से एक है तथा यह मुख्य रूप से राजस्थान के थार रेगिस्तान में पाया जाता है। कम संख्या में यह गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में मिलते हैं।

कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक, कल तक आ सकती है असम की पहली सूची

नई दिल्ली, (एजेंसी) : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में शुक्रवार को असम विधानसभा चुनाव से जुड़ी पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक हुई।

असम से सांसद एवं लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने पत्रकारों को बताया कि बैठक में सीटों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अपेक्षा है कि कल तक उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी जाएगी। पार्टी ज्यादातर सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर देगी और इससे गठबंधन के दलों को आवंटित सीटों की भी जानकारी होगी।

उल्लेखनीय है कि इस महीने के अंत या अगले महीने की शुरूआत में असम सहित पांच राज्यों के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो सकती है।गोगोई से झारखंड मुक्ति मोर्चा से गठबंधन के बारे में सवाल पूछा गया लेकिन उन्होंने इसके बारे में स्पष्ट उत्तर नहीं दिया।

विनय कुमार सक्सेना ने लद्दाख के चौथे उपराज्यपाल के रूप में शपथ ली

लद्दाख, (एजेंसी) : दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के नए उपराज्यपाल के रूप में शपथ ली। सीआईबीएस ऑडिटोरियम लेह में आयोजित एक समारोह में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण पल्ली ने सक्सेना को पद की शपथ दिलाई।

समारोह में मुख्य सचिव लद्दाख, सभी प्रशासनिक सचिव और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। यूटी लद्दाख के चौथे एलजी के रूप में शपथ लेने के बाद वीके सक्सेना को लद्दाख पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

उनकी नियुक्ति लद्दाख के उपराज्यपाल पद से कविंदर गुप्ता का इस्तीफा स्वीकार करने के बाद हुई। सक्सेना ने कविंदर गुप्ता का स्थान लिया हैं, जिन्हें जुलाई, 2025 में उपराज्यपाल लद्दाख के रूप में नियुक्त किया गया था। कविंदर गुप्ता को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

महिला नेतृत्व और रचनात्मकता से बदल रहा विश्वः लिथुआनियाई राजदूत

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारत में लिथुआनिया गणराज्य की राजदूत डायना मिकेविचेने ने कहा कि आज के वैश्विक समाज के विकास में महिलाओं का नेतृत्व और उनकी रचनात्मकता सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरे हैं। डायना मिकेविचेने ने यह बात गुरुवार को नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के 'नारी संवाद प्रकल्प' की ओर से आयोजित 'शक्ति पर्व 2026' के भव्य आयोजन में कही। यह कार्यक्रम महिलाओं की उपलब्धियों और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को समर्पित रहा।मुख्य अतिथि के रूप में डायना मिकेविकीने ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संवाद को मजबूत करता है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि आईजीएनसीए का नारी संवाद प्रकल्प भारतीय परंपरा में निहित स्त्री शक्ति के विभिन्न आयामों को सामने लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। भारतीय संस्कृति में नारी को सृजन ज्ञान और शक्ति के रूप में देखा गया है और ऐसे आयोजन इस परंपरा को समकालीन संदर्भों से जोड़ते हैं।

इस आयोजन में साहित्य से लेकर संगीत तक के विभिन्न सत्रों को शामिल किया गया है। काव्य गोष्ठी में दिल्ली विश्वविद्यालय और जेएनयू की प्रख्यात विदुषियां जैसे प्रो. मीरा द्विवेदी, डॉ. ममता त्रिपाठी, डॉ. अंशु जोशी और डॉ. सोनी पांडेय अपनी कविताओं के माध्यम से नारी शक्ति पर चर्चा की।

पैनल चर्चा में माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली सबसे उम्रदराज भारतीय महिला ज्योति रात्रे, वैदिक पुरोहित आचार्य श्रुति शास्त्री, कमर्शियल पायलट कैप्टन दिशा भोरिया और कैब ड्राइवर बबली जैसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व ने अपने अनुभव साझा किए।

दोपहर के सत्र में पखावज तबला और हारमोनियम की 'जुगलबंदी' के साथ-साथ डॉ. जया तिवारी के नेतृत्व में एक बैंड परफॉर्मेंस का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय शास्त्रीय और आधुनिक संगीत का संगम की प्रस्तुति दी गई।'शक्ति पर्व' का मुख्य उद्देश्य कला, शिक्षा और साहस के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को एक मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम का सूत्रवाक्य माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः (यह भूमि मेरी माता है और मैं पृथ्वी का पुत्र हूं) नारी शक्ति और प्रकृति के गहरे जुड़ाव को दशार्ता है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव लिली पांडेय सहित विद्वानों, कलाकारों, शोधार्थियों और सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

पर्यटन उद्योग को राहत के लिए एलपीजी आपूर्ति बढ़ेगी : शेखावत

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शुक्रवार को केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और पेट्रोलियम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की वर्तमान स्थिति और उसके होटल तथा पर्यटन उद्योग पर पड़ रहे प्रभाव पर चर्चा की।

शेखावत ने कहा कि सरकार ने स्थिति को सामान्य करने के लिए त्वरित कदम उठाने का निर्णय लिया है। इसके तहत आज से ही व्यवसायों को उनकी औसत मासिक वाणिज्यिक गैस आवश्यकता का लगभग 20 प्रतिशत उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त होटलों और रेस्तरां को राहत देने के लिए गैस की अतिरिक्त आपूर्ति की व्यवस्था पर भी काम किया जा रहा है।शेखावत ने कहा कि इस पूरे मामले पर लगातार नजर रखने के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय के बीच समन्वय बनाए रखा जाएगा। उद्योग से जुड़े हितधारकों के साथ भी संवाद जारी रहेगा, ताकि उनकी समस्याओं का समय पर समाधान किया जा सके। शेखावत ने कहा कि वर्तमान दबाव वैश्विक स्तर पर चल रहे युद्ध के कारण उत्पन्न आपूर्ति व्यवधान का परिणाम है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने और साथ ही होटल-पर्यटन क्षेत्र को सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्कूली बच्चों के पौष्टिक खाने के लिए हिमाचल को करीब 122 करोड़ का बजट आबंटित : शिक्षा राज्य मंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने बताया कि बाल वाटिका और पहली से आठवीं कक्षा तक सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने बाले बच्चों को स्कूलों में गर्म पौष्टिक खाना उपलब्ध करवाने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए हिमाचल प्रदेश को 121.90 करोड़ का बजट आबंटित किया गया है। इस बजट में 110.66 करोड़ केंद्रीय हिस्सेदारी जबकि 11 .24 करोड़ की राज्य सरकार की हिस्सेदारी होगी।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने यह जानकारी राज्य सभा सांसद इंदु बाला गोस्वामी को पूछे गए एक सवाल के जवाब में संसद में दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत इस समय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 10.35 लाख स्कूलों में पढ़ने वाले 11 करोड़ बच्चों को गर्म पौष्टिक खाना प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस योजना के कार्यन्वन की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की है।

पीएम कुसुम योजना के तहत किसान लगा सकतें हैं दो मेगावाट का सोलर प्लांट : ऊर्जा राज्य मंत्री

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरण ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नायक ने संसद में बताया कि पीएम कुसुम योजना के अन्तर्गत कोई भी किसान स्वयं या किसी डेवेलोपर के माध्यम से अपनी जमीन पर दो मेगावाट ऊर्जा क्षमता तक का सोलर पावर प्लांट स्थापित कर सकता है। राज्य सभा सांसद इंदु बाला गोस्वामी को उनके पूछे गए एक सवाल के जवाब में संसद में दी।उन्होंने बताया कि योजना के अन्तर्गत सोलर पावर प्लांट स्थापित करने के लिए मंत्रालय किसानों की कार्य क्षमता बढ़ाने के लिए समय समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने खरीदा नया अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू 139 हेलीकॉप्टर, मुख्यमंत्री योगी की अयोध्या यात्रा के बाद आया चर्चा में

क्रैश सेफ्टी सिस्टमयुक्त यह हेलीकाप्टर खराब मौसम और रात में भी उड़ने में सक्षम

लखनऊ, (एजेंसी) :उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुरक्षित यात्रा के लिए अब प्रदेश सरकार के विमान बेड़े में इटली की लियोनार्डो कंपनी का सबसे एडवांस अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू 139 हेलीकॉप्टर शामिल किया गया है। इसकी बेहतरीन उन्नत एवियोनिक्स, क्रैश सेफ्टी सिस्टम समेत अन्य खूबियों की वजह से राज्य सरकार ने इसे खरीदा है। मुख्यमंत्री योगी इसी हेलीकॉप्टर से राम नगरी अयोध्या गए थे। तभी से यह हेलीकाप्टर चर्चा में आया।विशेषज्ञों के अनुसार हेलीकाप्टर में वैसे तो कई खासियत हैं, जो अन्य हेलीकाप्टरों में से इसे विशेष बनाती हैं। अगर इसके उड़ाने की बात करें तो इसे सामान्य पायलट नहीं उड़ा सकता है बल्कि अगस्ता हेलीकॉप्टर के संचालन के लिए विशेष दक्षता वाले कैप्टन की जरूरत होती है। इसलिए राज्य सरकार ने तीन पायलट कैप्टन अमित कुमार भूटानी, कैप्टन अक्षय जायसवाल और कैप्टन राजेश कुमार शर्मा को इटली भेजकर अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू 139 की टेक्निकल और इसके अन्य पहलुओं को समझने की लिए ट्रेनिंग दिलाई है। इसमें इंस्ट्रमेंट ट्रेनिंग के साथ क्रिटिकल कंडिशन में इमरजेंसी लैंडिंग कराने का भी प्रशिक्षण शामिल है। सरकार ने इन तीनों पायलट के प्रशिक्षण पर 50.40 लाख रुपये खर्च किए हैं।

अगर अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू 139 हेलीकॉप्टर की रफ्तार की बात करें तो यह अन्य सामान्य हेलीकाप्टरों से काफी तेज गति से उडता है।

इसकी अधिकतम रफ्तार लगभग 310 किमी प्रति घंटा है। यह हेलीकाप्टर खराब मौसम और रात में भी उड़ान भरने में सक्षम है, जिससे इमरजेंसी हालात में भी इसका उपयोग संभव है। इसकी बनावट और सुरक्षा की बात करें तो इस विशेष हेलीकॉप्टर की बॉडी बुलेटप्रूफ है और हेलीकाप्टर में मशीनगन फिट करने की सुविधा भी है, जिसे जरूरत के हिसाब से फिट किया जा सकता है ।

दो पायलट के साथ 15 लोग कर सकते हैं सफर

अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू 139 हेलीकॉप्टर में दो पायलट के साथ 15 लोगों के बैठने की क्षमता है। इसका केबिन 8.3 फीट चौड़ा 6.1 फीट ऊंचा है जबकि सामान्य हेलीकाप्टर का केबिन इतना बड़ा नहीं होता है। इस हेलीकॉप्टर में तीन ताकतवर इंजन लगे हैं। अगर कभी एक इंजन काम न करे तो दूसरे इंजन का इंमरजेंसी में उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा यह क्रैश सेफ्टी सिस्टम से लैस है। डिजिटल ग्लास काकपिट और साउंडप्रूफ केबिन जैसी सुविधाएं भी हैं। इसकी खास बात यह है कि यह सफर के दौरान हवा में इंजन ईंधन भरने की क्षमता रखता है।

उल्लेखनीय है कि अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू 139 को अब लियोनार्डो एडब्ल्यू 139 के नाम से जाना जाता है। इसे इतालवी हेलीकाप्टर निमार्ता कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड ने विकसित और निर्मित किया है और अब यह कंपनी लियोनार्डो का हिस्सा है। इस विमान की कीमत 100 करोड रुपये है।

शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगा उत्तर प्रदेशः राजनाथ सिंह

लखनऊ,(एजेंसी) : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश, एक व्यापक दृष्टि के साथ आगे बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में हम सबने देखा है कि राज्य ने सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इन्फ्रास्ट्रक्चर,इन्वेस्टमेंट,इण्डस्ट्री और एजूकेशन इन सभी क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश ने नई गति प्राप्त की है। मुझे विश्वास है कि इसी प्रकार के प्रयासों के कारण, आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में भी, नए मानक स्थापित करेगा। यहाँ के शैक्षणिक संस्थान, केवल प्रदेश के ही नहीं बल्कि पूरे देश के छात्रों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेंगे।

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को लखनऊ के गोल्फ सिटी में सिटी मान्टेसरी स्कूल के नए भवन का उदघाटन के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब किसी शहर की पहचान, उसकी सड़कों और इमारतों से आगे बढ़कर, उसके शैक्षिक और सांस्कृतिक संस्थानों से बनने लगती है, तब वह शहर वास्तव में समाज के भविष्य को आकार दे रहा होता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में, केवल स्कूल और कालेज खोलने पर ही ध्यान नहीं दिया जा रहा। यहाँ एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ, एक सकारात्मक सीखने का वातावरण विकसित हो सके। उन्होंने कहा स्कूल केवल ज्ञान देने की जगह नहीं होता, वह मनुष्य निर्माण की प्रयोगशाला भी होता है। वहाँ केवल गणित,विज्ञान या भाषा नहीं सिखाई जाती, वहाँ जीवन के मूल्य भी सिखाए जाते हैं। हमको अपने बच्चों के शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व पर भी ध्यान देना जरूरी है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है कि व्यक्ति अपने ज्ञान का उपयोग केवल अपने लिए नहीं बल्कि समाज की प्रगति के लिए भी करे। बच्चे स्कूल में पढ़ते जरूर हैं लेकिन उनका व्यक्तित्व घर में बनता है। स्कूल उन्हें ज्ञान और अनुशासन देता है, जबकि घर उन्हें जीवन का अनुभव, संवेदनशीलता और संस्कार देता है। अच्छी नौकरी, अच्छा पैकेज या किसी प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश मिल जाना ही जीवन की पूरी सफलता नहीं है। वास्तविक सफलता तब होती है, जब व्यक्ति अपने ज्ञान और विचारों से, समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सके। बच्चों को केवल अंक लाने के लिए नहीं बल्कि जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करना जरूरी है।

अफीम की खेती नष्ट करने व दो किसानों को हिरासत में लेने को लेकर तांगखुल व कुकी समूहों में हुई गोलीबारी

इंफाल,(एजेंसी) : मणिपुर पुलिस के द्वारा चलाए जा रहे अफीम की खेती के विरूद्ध अभियानों के चलते खेती करने वाले एवं इस अवैध गतिविधि को संरक्षण देने वालों के बीच हाहाकर की स्थिति बनी हुई है। ऐसी ही एक कार्रवाई के चलते दो समूहों में अत्याधुनिक हथियारों से गोलीबारी की घटना प्रकाश में आई है।

मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि बुधवार की सुबह थवाई कुकी पहाड़ी श्रृंखला (मापितहेल पहाड़ी श्रृंखला) में अफीम की खेती वाली जगह पर बनी कुछ झोपड़ियों को कथित तौर पर पुलिस, वन विभाग के संयुक्त अभियान में जला दिया गया। साथ ही अफीम की खेती करने वाले दो कुकी किसानों को हिरासत में ले लिया गया। इस घटना के बाद, तांगखुल और कुकी समूहों के हथियारबंद बदमाशों के बीच गोलीबारी हुई, जिसमें कथित तौर पर अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया गया। गोलीबारी और झड़प की इस घटना के दौरान, कुछ युवक लापता हो गए।

इस बीच, शांगकाई गांव में कुकी स्वयंसेवकों और स्थानीय महिलाओं ने मिलकर, लगभग 21 तांगखुल नागरिकों को ले जा रहे कुछ वाहनों को रोक लिया।

वहीं गुरुवार की तड़के पुलिस और सुरक्षा बलों ने उन दो कुकी नागरिकों को बचा लिया, जिन्हें पहले लेइंगांगचिंग में हिरासत में लिया गया था; इसके बाद, उखरुल के जिला उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में उन्हें कुकी सीएसओ के प्रतिनिधियों को सौंप दिया गया। पुलिस इस संबंध में आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

आईबीएसए फंड जैसी वैश्विक साझेदारियां महिला सशक्तीकरण के नए आयाम स्थापित करेंगी: सावित्री ठाकुर

नई दिल्ली, (एजेंसी) :केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने महिला स्थिति आयोग (सीएसडब्ल्यू) के 70वें सत्र में कहा कि भविष्य में इंडिया ब्राजील दक्षिण अफ्रीका (आईबीएसए) फंड जैसी वैश्विक साझेदारियां समावेशी नीति निर्माण को सुदृढ़ और महिला सशक्तीकरण के नए आयाम स्थापित करेंगी।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय न्यूयार्क में आयोजित सीएसडब्ल्यू का 70वां सत्र ₹महिला नेतृत्व वाला विकास और दक्षिण-दक्षिण सहयोग₹ विषय पर आधारित था। यह 9-12 मार्च तक चला। मंत्री ने गुरुवार को समापन सत्र के दौरान आईबीएसए फंड की सफलता और महिला सशक्तीकरण के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को साझा किया।सावित्री ठाकुर ने बताया कि आईबीएसए की ओर से 2004 में स्थापित आईबीएसए कोष आज दक्षिण-दक्षिण सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन चुका है। इस फंड ने अब तक लगभग 40 देशों में 50 से अधिक विकास परियोजनाओं को समर्थन दिया है। ये परियोजनाएं विशेष रूप से महिलाओं के नेतृत्व और उनकी सक्रिय भागीदारी पर केंद्रित हैं जो भारत के 'महिला-नेतृत्व वाले विकास' के विजन को वैश्विक स्तर पर ले जा रही हैं।

मंत्री ने आईबीएसए ढांचे के तहत चल रही दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का जिक्र किया। इनमें लाइबेरिया, जो लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और विधायी स्तर पर महिलाओं की भूमिका को मजबूत करने के उद्देश्य से चलाई जा रही परियोजना है और दूसरी जॉर्डन शामिल है। जॉर्डन के तहत अपशिष्ट जल को रिसायकिल कर 60 ग्रीनहाउस और 50 महिला सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना की जाएगी। इससे 150 महिलाओं को प्रशिक्षण मिलेगा।उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत के घरेलू प्रयासों का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत सरकार ने शिक्षा कौशल और डिजिटल सशक्तीकरण के माध्यम से महिलाओं को मुख्यधारा में लाया है। केंद्रीय बजट 2025-26 में लैंगिक समानता के लिए लगभग 60 अरब डॉलर (5.01 लाख करोड़ रुपये) आवंटित किए गए हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में 8 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

सत्र के दौरान मंत्री ने दक्षिण अफ्रीका की मंत्री सिंदिसिवे चिकुंगा के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसमें गरीबी और भूख उन्मूलन के लिए भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में ब्राजील की उपमंत्री यूटालिया बारबोसा, गाम्बिया की मंत्री फाटू किंतेह और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश सहित कई देशों के गणमान्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

14-03-2026 T.P. Page 8_Layout 1 14-03-2026 08:35 Page 1

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी संसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं। पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डेबल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, ास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह ना रखा जाए तो यह कभी-कभी कारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए ाज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. ानंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का याल रखा जाना चाहिए

लर का रखें ख्याल

ब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

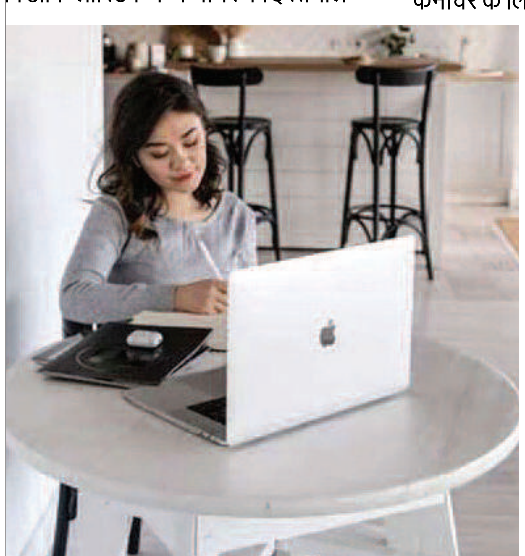

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या संसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

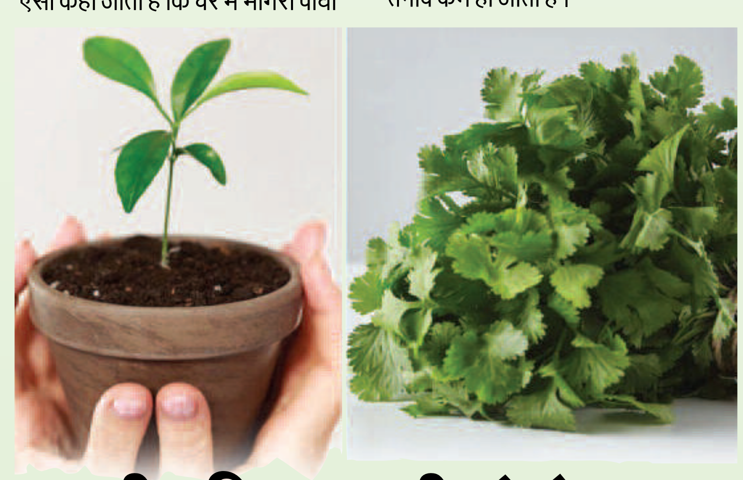

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।